▪ श्रावण कृष्ण - 14 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 12 ▪ अंक - 12 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 03-08-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 नीट विवाद पर नड्डा ने कहा, बीमारी के कारण शरीर को नहीं मारा जाता

6 आरक्षण के भीतर आरक्षण की व्यवस्था का अहम फैसला

7 आदित्य धर की अगली फिल्म में आर माधवन निभाएंगे अजीत डोभाल का किरदार

फर्स्ट टेक

तेलंगाना सरकार 30,000 सरकारी स्कूलों को मुफ्त बिजली देगी

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार बुनियादी सुविधाओं में सुधार के उपायों के तहत लगभग 30,000 सरकारी स्कूलों को मुफ्त बिजली प्रदान करेगी। हाल ही में पदोन्नत हुए शिक्षकों के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने तीन बार चुनाव जीता क्योंकि उन्होंने सरकारी स्कूलों में सुधार किया और गरीबों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की। उन्होंने कहा कि जब स्कूलों के बिलों का भुगतान नहीं किया गया तो ऊर्जा विभाग द्वारा बिजली की आपूर्ति बंद कर दी गई थी। उन्होंने कहा, ''जब किसानों को (मुफ्त बिजली) दी जाती है और गरीबों को 200 यूनिट मुफ्त बिजली दी जाती है तो उन स्कूलों में मुफ्त बिजली क्यों नहीं दी जा सकती जहां तेलंगाना का भविष्य तैयार हो रहा।'' उन्होंने कहा, ''मैंने अधिकारियों को तेलंगाना के 30,000 स्कूलों को मुफ्त बिजली प्रदान करने का निर्देश दिया और इसका खर्च सरकार वहन करेगी।''

बांग्लादेश में फिर से विरोध-प्रदर्शन शुरू

ढाका/एपी। बांग्लादेश में प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनकी सरकार के खिलाफ शुक्रवार को फिर से प्रदर्शन शुरू हो गए। जुलाई में नौकरियों में आरक्षण के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन के दौरान 200 से ज्यादा लोगों की मौत के लिए इंसाफ की मांग को लेकर यह प्रदर्शन किए जा रहे हैं। राजधानी ढाका के विभिन्न हिस्सों में दो हजार से अधिक प्रदर्शनकारी एकत्र हुए, जिनमें से कुछ लोग ''तानाशाह मुर्दाबाद'' और पीड़ितों के लिए इंसाफ के नारे लगा रहे थे, जबकि पुलिस अधिकारी उनके चारों ओर घेरा बनाकर खड़े थे। ढाका के उत्तरा इलाके में पुलिस और दर्जनों छात्रों के बीच झड़प हुई, जबकि सुरक्षा अधिकारियों ने पत्थरबाजी कर रहे प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस और स्टन ग्रेनेड दागे।

भारत जल्द ही तिमोर-लेस्ते में दूतावास खोलेगा

नई दिल्ली/भाषा। भारत के किसी राष्ट्रपति की तिमोर-लेस्ते की अब तक की पहली यात्रा से पहले विदेश मंत्रालय के एक शीर्ष अधिकारी ने यहां शुक्रवार को कहा कि नई दिल्ली शीघ्र दिली में एक दूतावास स्थापित करेगा,जिससे दोनों देशों के बीच संबंध मजबूत होंगे। लोकतांत्रिक गणराज्य तिमोर-लेस्ते की राजधानी का नाम 'दिली' है। विदेश मंत्रालय के सचिव (पूर्व) जयदीप मजूमदार ने यहां संवाददाताओं से कहा कि तिमोर-लेस्ते ने भी नई दिल्ली में अपना दूतावास खोलने के इरादे की घोषणा की है।

03-08-2024 सूर्यास्त	04-08-2024 सूर्योदय
6:35 बजे	5:54 बजे

BSE	NSE
80,981.95	24,717.70
(-885.59)	(-293.20)

सोना	चांदी
7,112 रु.	89,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

अजीब हालत

सोने के भाव घटे चाहे,
मुश्किल में है जगना सोना।
हर तरफ मची है लूट आज,
इसका ही है सबको रोना।
सब कुछ ही है अब आरक्षित,
संरक्षित ना कोई कोना।
खो चुके मूल्य हम जीवन के,
बस शेष रहा जीवन खोना।।

हिंद महासागर में 'अशांति' की आशंका, भारत को तैयार रहने की जरूरत : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ विदेश मंत्री की यह टिप्पणी क्षेत्र में चीन की बढ़ती समुद्री गतिविधियों को लेकर चिंताओं की पृष्ठभूमि में आई है।

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि हिंद महासागर में ''अशांति पैदा करने वाले'' बदलाव होने की आशंका है और भारत को इसके लिए तैयार रहने की जरूरत है। उनकी यह टिप्पणी क्षेत्र में चीन की बढ़ती समुद्री गतिविधियों को लेकर चिंताओं की पृष्ठभूमि में आई है।

एक विचारक संस्था (थिंक टैंक) के संवाद सत्र को संबोधित करते हुए जयशंकर ने किसी देश का नाम लिए बिना कहा कि भारत के पड़ोस में जो प्रतिस्पर्धा देखी गई है, वह निश्चित रूप से हिंद महासागर में भी होगी।

विदेश मंत्री ने एक प्रश्न के उत्तर में पड़ोस में प्रतिस्पर्धा के बारे में बात की और कहा, ''इस बारे में विलाप करने का कोई औचित्य नहीं है'' क्योंकि भारत को प्रतिस्पर्धा करने की जरूरत है और वह वास्तव में यही करने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत हिंद महासागर में प्रतिस्पर्धा के लिए उसी तरह तैयार है, जिस तरह वह बाकी पड़ोस में प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार है।

जयशंकर ने कहा, ''मुझे लगता है कि हिंद महासागर में समुद्री मौजूदगी की नजर आ रही है, जो पहले नहीं थी। इसलिए यह एक विध्वंसकारी परिवर्तन के लिए तैयार है। मुझे लगता है कि हमें इसका पूर्वानुमान लगाने (और) हमें इसके लिए तैयारी करने की जरूरत है।''

चीन धीरे-धीरे हिंद महासागर में अपनी उपस्थिति बढ़ा रहा है, जिसे पारंपरिक रूप से भारतीय नौसेना का प्रभाव क्षेत्र माना जाता है।

जयशंकर ने सेंटर फॉर एयरपावर स्टडीज (सीएपीएस) में जसजीत सिंह स्मारक व्याख्यान देने के बाद एक सवाल का जवाब देते हुए यह टिप्पणी की।

राशन वितरण घोटाला

ईडी ने तृणमूल नेता को किया गिरफ्तार

कोलकाता/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के देगंगा से तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के एक नेता को करोड़ों रुपए के राशन वितरण घोटाले में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि केंद्रीय जांच एजेंसी ने टीएमसी के देगंगा ब्लॉक अध्यक्ष अनीस उर-रहमान और उसके बड़े भाई को बृहस्पतिवार देर रात कोलकाता स्थित कार्यालय में करीब 14 घंटे तक पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, रहमान और उसके भाई को राशन वितरण घोटाले के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है।

चुनावी बॉन्ड:

उच्चतम न्यायालय ने एसआईटी जांच की याचिका खारिज की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। उच्चतम न्यायालय ने चुनावी बॉन्ड के माध्यम से भारी चंदा के बदले कॉरपोरेट को कथित तौर पर ठेका देने के मामलों की जांच शीर्ष अदालत के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की देखरेख और अदालत की निगरानी वाले विशेष जांच दल (एसआईटी) से कराने की मांग वाली चार जनहित याचिकाएं शुक्रवार को खारिज कर दी।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने गैर सरकारी संगठनों - कॉमन कॉज और सीपीआईएल के अलावा जय प्रकाश शर्मा, सुदीप तमनकर और डॉ. खेम सिंह भाटी द्वारा दायर याचिकाओं पर विचार करने से इनकार कर दिया।

पीठ कहा कि वह धारणा के आधार पर चुनावी बांड (जिसे शीर्ष अदालत ने 14 फरवरी को खारिज कर दिया) की खरीद की जांच के लिए आदेश नहीं दे सकती, क्योंकि जांच दल का गठन करना एक दूरगामी प्रभाव होगा।

मोदी ने राज्यपालों से केंद्र-राज्य के बीच महत्वपूर्ण सेतु बनने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्यपालों से शुक्रवार को आग्रह किया कि वे केन्द्र और राज्य के बीच प्रभावी सेतु की भूमिका निभाएं तथा लोगों और सामाजिक संगठनों के साथ इस तरह से संवाद करें, जिससे वंचित लोगों को भी इसमें शामिल किया जा सके। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की अध्यक्षता में आयोजित राज्यपालों के दो दिवसीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि राज्यपाल का पद एक महत्वपूर्ण संस्था है, संविधान के दायरे के भीतर लोगों के कल्याण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, विशेष रूप से आदिवासी क्षेत्रों के संदर्भ में। उद्घाटन सत्र को राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी संबोधित किया।

राष्ट्रपति भवन द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है, अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने राज्यपालों से आग्रह किया कि वे केंद्र और राज्य के बीच एक प्रभावी सेतु की भूमिका निभाएं तथा लोगों और सामाजिक संगठनों के साथ इस तरह से संवाद करें कि वंचित लोगों को भी इसमें शामिल किया जा सके। विज्ञप्ति के अनुसार, शनिवार को समाप्त होने वाले इस सम्मेलन में उन विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की जाएगी, जो न केवल केंद्र-राज्य संबंधों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, बल्कि आम लोगों के लिए कल्याणकारी योजनाओं को बढ़ावा देने में भी सहायक होते हैं।

मुर्मू ने अपने संबोधन में कहा कि लोकतंत्र के सुचारू संचालन के लिए यह महत्वपूर्ण है कि विभिन्न केंद्रीय एजेंसियां सभी राज्यों में बेहतर समन्वय के साथ काम करें।

भारत-अमेरिका अंतरिक्ष मिशन के लिए ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को चुना गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शुक्रवार को घोषणा की कि ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला और ग्रुप कैप्टन प्रशांत बालकृष्णन नायर को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के लिए आगामी भारत-अमेरिका मिशन के वास्ते चुना गया है।

इसरो के सूत्रों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि ऐसा नासा द्वारा मान्यता प्राप्त सेवा प्रदाता एक्सिओम स्पेस इंक की सिफारिश पर किया गया है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में इसरो ने कहा कि उसके मानव अंतरिक्ष उड़ान केंद्र ने आईएसएस के लिए अपने चौथे मिशन के लिए अमेरिका के एक्सिओम स्पेस इंक के साथ अंतरिक्ष उड़ान समझौता किया है और 'नेशनल मिशन असाइनमेंट बोर्ड' ने दो गगनयात्रियों (अंतरिक्ष यात्रियों) - ग्रुप कैप्टन शुक्ला (प्रधान) और ग्रुप कैप्टन नायर के नाम की सिफारिश की है।

वायनाड भूस्खलन मामले पर बयान को लेकर

रमेश ने गृह मंत्री के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ विशेषाधिकार हनन के प्रस्ताव का नोटिस दिया और आरोप लगाया कि वायनाड में भूस्खलन की घटना के संदर्भ में शाह ने यह बोलकर सदन को गुमराह किया कि केंद्र की ओर से केरल सरकार को पहले सतर्क कर दिया गया था। गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को राज्यसभा में कहा था कि केरल में भूस्खलन की विनाशकारी घटना से सात दिन पहले ही राज्य सरकार को पूर्व चेतावनी दे दी गई थी और 23 जुलाई को एनडीआरएफ की नौ टीमों को भी वहां रवाना कर दिया गया था, राज्य सरकार यदि इन टीमों को देखकर भी 'अलर्ट' हो गई होती तो काफी कुछ बच सकता था। राज्यसभा में कांग्रेस के मुख्य सचेतक रमेश ने सभापति को सौंपे नोटिस में कहा कि 31 जुलाई, 2024 को राज्यसभा में वायनाड भूस्खलन पर ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के जवाब में गृह मंत्री ने कई दावे किए और मीडिया में इन दावों की पड़ताल दी गई। रमेश ने कहा, यह स्पष्ट है कि केंद्रीय गृह मंत्री ने केंद्र सरकार द्वारा जारी प्रारंभिक चेतावनियों पर अपने बयानों से राज्यसभा को गुमराह किया। उनकी बात असत्य साबित हुई है। कांग्रेस नेता ने कहा कि यह स्थापित हो चुका है कि किसी मंत्री या सदस्य द्वारा सदन को गुमराह करना विशेषाधिकार का उल्लंघन और सदन की अवमानना है।

किसानों के लिए सब्सिडी जारी रहेगी

नई दिल्ली/एजेन्सी। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को राज्यसभा में खेती किसानी के कल्याण और विकास के लिए मोदी सरकार की प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा कि किसानों की आय बढ़ाने और कृषि लागत घटाने के लिए सब्सिडी जारी रहेगी। चौहान ने सदन में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के कार्यकरण पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि मोदी सरकार के आने बाद देश में नया विश्वास आया और खेती किसानी में नया युग आरंभ हुआ। कृषि क्षेत्र का उत्पादन बढ़ा है और लागत घटी है। किसानों को प्राकृतिक आपदा में राहत दी गयी है। आने वाली पीढी के लिए सुरक्षित पृथ्वी रहनी चाहिए। इसके लिए सरकार ने दीर्घकालीन योजना बनायी है। उन्होंने कहा कि सरकार निरंतर किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए काम करती रहेगी।

52 साल बाद भारतीय हॉकी टीम ने ओलंपिक में ऑस्ट्रेलिया को हराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पेरिस/भाषा। कप्तान हरमनप्रीत सिंह के दो गोल और पी आर श्रीजेश की अद्भुत गोलकीपिंग के दम पर भारत ने 52 साल बाद ओलंपिक में ऑस्ट्रेलिया को हराते हुए आखिरी ग्रुप मैच में इस दिग्गज प्रतिद्वंद्वी पर 3 . 2 से जीत दर्ज की।

भारत ने आखिरी बार पुरुष हॉकी में ओलंपिक में ऑस्ट्रेलिया को 1972 म्युनिख खेलों में हराया था। वहीं सिडनी ओलंपिक 2000 में ऑस्ट्रेलिया से 2 . 2 से ग्रुप मैच ड्रॉ रहा था। ऑस्ट्रेलिया ने टोक्यो ओलंपिक 2021 में ग्रुप मैच में भारत पर 7-1 से जीत दर्ज की थी। टोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता भारत के लिए जहां श्रीजेश ने सही मायने में 'दीवार' की तरह काम करते हुए असंख्य गोल बचाए तो हर मैच में गोल करते आए हरमनप्रीत ने उस सिलसिले को बरकरार रखा।

ट्राई के नए नियम जारी

सेवा बाधित होने पर दूरसंचार कंपनियां उपभोक्ताओं को देंगी मुआवजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दूरसंचार नियामक ट्राई ने शुक्रवार को नए सेवा गुणवत्ता मानकों को जारी किया जिसमें दूरसंचार कंपनियों को जिला स्तर पर 24 घंटे से अधिक समय तक सेवा बाधित रहने पर ग्राहकों को मुआवजा देने का प्रावधान किया गया है।

भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने नए नियमों के तहत प्रत्येक गुणवत्ता मानक को पूरा करने में विफल रहने पर दंडात्मक राशि को 50,000 रुपये से बढ़ाकर एक लाख रुपये कर दिया है। नियामक ने संशोधित नियमों ''पहुंच (वायरलाइन और वायरलेस) और ब्रॉडबैंड (वायरलाइन और वायरलेस) सेवा गुणवत्ता मानक विनियम, 2024'' के तहत नियम उल्लंघन के विभिन्न पैमानों के लिए एक लाख रुपये, दो लाख रुपये, पांच लाख रुपये और 10 लाख रुपये की श्रेणीबद्ध जुर्माना प्रणाली शुरू की है।

नए मानदंड तीन अलग-अलग विनियमों - बेसिक तथा सेल्युलर मोबाइल सेवाओं, ब्रॉडबैंड सेवाओं, और ब्रॉडबैंड वायरलेस सेवाओं के लिए सेवा की गुणवत्ता का स्थान लेते हैं।

नए नियमों के मुताबिक, किसी जिले में नेटवर्क बाधित होने की स्थिति में दूरसंचार परिचालकों को पोस्टपेड ग्राहकों के लिए किराए में छूट देनी होगी जबकि प्रीपेड ग्राहकों के लिए कनेक्शन की वैधता बढ़ानी होगी।

ट्राई ने कहा, ''यदि कोई ऐसी नेटवर्क गतिरोध 24 घंटे से अधिक समय तक जारी रहता है, तो सेवा प्रदाता अगले बिल में उसे जिले के पंजीकृत ग्राहकों को छूट देगा।''

इजराइल में रह रहे भारतीयों को सतर्क रहने की सलाह

तेल अवीव/भाषा। भारतीय दूतावास ने यहां शुक्रवार को इजराइल में रह रहे सभी भारतीय नागरिकों को सलाह दी कि वे सतर्क रहने के साथ स्थानीय प्रशासन की ओर से सुझाए गए सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करें। इजराइल के हमले में एक के बाद एक दो हमास नेताओं और हिजबुल्ला के एक कमांडर के मारे जाने के बाद पश्चिम एशिया में नए सिरे से बढ़े तनाव के मद्देनजर भारतीय दूतावास ने यह परामर्श जारी किया। पिछले महीने हमास नेता इस्माइल हनियेह की ईरान में हत्या कर दी गई जबकि हमास की सैन्य शाखा के प्रमुख मोहम्मद जेफ गाजा में मारा गया। लेबनान में सक्रिय हिजबुल्ला का कमांडर फौद शुकूर बेरूत पर किए गए हवाई हमले में मारा गया।

पदक का 'लक्ष्य', सेमीफाइनल में पहुंचकर रचा इतिहास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पेरिस/भाषा। लक्ष्य सेन ने एक गेम हारने के बाद शानदार वापसी करते हुए चीनी ताइपै के चोउ तियेन चेन को रोमांचक मुकाबले में हराकर पेरिस ओलंपिक पुरूष एकल बैडमिंटन स्पर्धा के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया । वह ओलंपिक में पुरूष एकल अंतिम चार में पहुंचने वाले पहले भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी बने ।

अलमोड़ा के बाईस वर्ष के विश्व चैम्पियनशिप 2021 कांस्य पदक विजेता लक्ष्य ने 75 मिनट तक चले कड़े क्वार्टर फाइनल मुकाबले में 2022 विश्व चैम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता चेन को 19-21, 21-15, 21-12 से हराया ।

पी वी सिंधू और सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी के हारने के बाद अब पेरिस ओलंपिक में बैडमिंटन में सारी उम्मीदें लक्ष्य पर टिकी हैं ।

भारत के लिये ओलंपिक में महिला एकल बैडमिंटन में साइना नेहवाल (2012) कांस्य, रजत (2016) और कांस्य (2020) जीत चुकी हैं ।

राष्ट्रमंडल चैम्पियन लक्ष्य का सामना अब 2021 के विश्व चैम्पियन सिंगापुर के लोह कीन यू और ओलंपिक चैम्पियन डेनमार्क के विक्टर एक्सेलेसन के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा ।

भारत के लिये ओलंपिक बैडमिंटन पुरूष एकल स्पर्धा में पारूपल्ली कश्यप 2012 लंदन ओलंपिक में और किदाम्बी श्रीकांत 2016 रियो ओलंपिक में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे थे ।

लक्ष्य इससे पहले पिछले पांच में से चार मैच चेन से हार चुके थे । दोनों के बीच मुकाबला बराबरी का था और पासा पल पल पलटता रहा । दोनों ने लंबी रेलियां लगाई और पिछड़कर वापसी करते रहे ।

पहले गेम में एक समय स्कोर 15-15 से बराबर था और लक्ष्य ने तीन अंक की बढत बना ली ।

रक्षा और सुरक्षा क्षेत्र में सहयोग बढाएंगे भारत और वियतनाम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

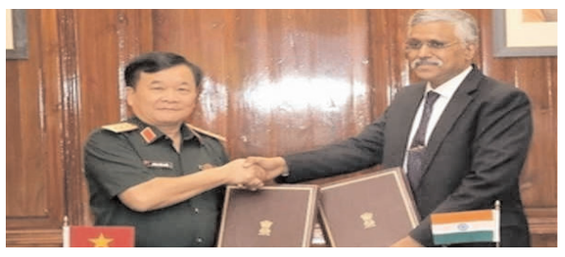

नई दिल्ली/एजेन्सी। भारत और वियतनाम साइबर सुरक्षा, सूचना सुरक्षा, सैन्य चिकित्सा और पनडुब्बी खोज एवं बचाव जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढायेंगे।

रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को यहां बताया कि दोनों देशों के बीच 14वीं भारत-वियतनाम रक्षा नीति वार्ता बृहस्पतिवार को यहां हुई। वार्ता की सह-अध्यक्षता रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने और वियतनाम के राष्ट्रीय रक्षा उप मंत्री वरिष्ठ लेफ्टिनेंट जनरल होआंग जुआन चिएन ने की।

बैठक के दौरान, दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग के मुद्दों की समीक्षा की और जून 2022 में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की वियतनाम यात्रा के दौरान '2030 की ओर, भारत-वियतनाम रक्षा साझेदारी पर संयुक्त विजन वक्तव्य' पर हस्ताक्षर करने के बाद संबंधों में हुई प्रगति का उल्लेख किया।

वियतनाम ने सहयोग के लिए पांच प्रमुख क्षेत्रों का प्रस्ताव रखा, जिनमें प्रतिनिधिमंडल का आदान-प्रदान और संवाद, स्टाफ-वार्ता, सेनाओं के बीच परस्पर सहयोग, रक्षा और प्रशिक्षण तथा रक्षा उद्योग सहयोग शामिल हैं। रक्षा सचिव ने पाँच सूत्री प्रस्ताव का स्वागत किया तथा साइबर सुरक्षा, सूचना सुरक्षा, सैन्य चिकित्सा, पनडुब्बी खोज एवं बचाव जैसे दोनों देशों के लिए चिंता के उभरते क्षेत्रों में सहयोग का प्रस्ताव रखा।

रक्षा सचिव ने मित्र देशों की क्षमता और क्षमता वृद्धि को पूरा करने के लिए घरेलू रक्षा उद्योग की क्षमता पर प्रकाश डाला तथा वियतनाम पीपुल्स आर्म्ड फोर्सेज और उनके उद्योगों के साथ उपयोगी साझेदारी के प्रति आशा व्यक्त की। बैठक के बाद, रक्षा सचिव और वियतनाम के राष्ट्रीय रक्षा उप मंत्री ने प्रशिक्षकों और विशेषज्ञों के आदान-प्रदान सहित प्रशिक्षण के क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करने के लिए एक आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए।

स्वार्थ ही आधुनिक जगत के दु:खों का महत्वपूर्ण कारण है : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। स्थानीय नजरबाद स्थित बुद्धि वीर वाटिका के विशाल पंडाल में आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि स्वार्थ ने मनुष्य की जिंदगी में बहुत उत्पात मचाये हैं। वर्षों पुराने घनिष्ट संबंधों को इसने चूर चूर किया है। स्वार्थवश प्रतिदिन हजारों घर और लाखों जिंदगियां उजड जाती हैं। इतना कुछ होते, देखते, समझते हुए भी आज का इंसान नहीं संभालता। स्वार्थ एक ऐसा जहरीला तत्व है जो स्वहित के लिये दूसरे की जिंदगी को तबाह करने को सदैव तत्पर रहता है। यह मैत्री भावना, सेवा, सहयोग, स्नेह-संबंध, बलिदान, करुणा, उदारता जैसे सैकड़ों अनमोल मानवीय गुणों की कत्ल कर देता है। इसके लिए धर्म, राष्ट्र, समाज, स्वजन या परिवार, कोई मायने नहीं रखते। आज संसार में जितनी समस्याएं और विषमताएं हैं, उनमें कमोबेश स्वार्थ की महत्वपूर्ण भूमिका है, इसलिए यह कहना होगा कि निःस्वार्थ मनुष्य वास्तव में वंदनीय हैं।

2500 वर्ष पुरानी मगध की ऐतिहासिक घटनाओं का तलस्पर्शी विश्लेषण करते हुए जैनाचार्य ने मनुष्य के स्वार्थपरक जीवन और उसके परिणाओं की मार्मिक विवेचना की। उन्होंने कहा कि स्वार्थ और साधना, दोनों विपरीत तत्व हैं। जहां स्वार्थ होता हैं, वहां कभी साधना तो क्या, सज्जनता भी उपस्थित नहीं होती। स्वार्थ निपट अंधा होता है। वह स्वयं के अलावा किसी को नहीं देखता। स्वार्थ ही आधुनिक जगत के दु:खों का महत्वपूर्ण कारण है। स्वार्थी मनुष्य भगवान को भूल जाता है, गुरु के साथ द्रोह कर सकता है, धर्म को छोड़ सकता है, समाज को छिन्नभिन्न कर सकता है, परिवार को तबाह कर सकता है, संबंधों को आग लगा सकता है। स्वार्थ को कोई परहेज नहीं होता। इसलिए धर्मशास्त्रों में कहा है कि स्वार्थी मनुष्य नरकगामी होते हैं। ऐसे दुर्जन तत्वों की वक्त पर कोई सहायता करने नहीं आता। स्वार्थ एक न एक दिन खून के आंसू रुलाता है। दुनिया परमार्थियों को याद करती हैं, स्वार्थियों पर थूंकती हैं। स्वार्थी मनुष्य पर कोई विश्वास नहीं करता। ज्ञानचर्चा सत्र में गणि पद्मविमलसागरजी ने कहा कि देव-गुरु-धर्म की भक्ति सद्गुणों की प्राप्ति के लिए हैं। गुणों के विकास के बिना अवगुणों का स्वतः नाश नहीं होगा।

कल्याण मित्र वर्षावास समिति के कांतिलाल चौहान ने बताया कि शनिवार को ओसवाल, पोरवाल व श्रीमाली जैन जातियों का स्थापना दिवस होने से शिक्षक सदन में भव्य समारोह का आयोजन किया गया है। तीर्थंकर पार्श्वनाथ की परंपरा के उपकारी आचार्यों को याद कर पुष्पांजलि अर्पित की जायेगी। अशोक दांतेवाड़िया ने जानकारी दी कि 2475 वर्ष पूर्व मरूभूमि मारवाड़ में ओसवाल, पोरवाल व श्रीमाली जैन जातियों की स्थापना हुई थीं। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी उनके उद्भव और विकास की गौरवगाथा का इतिहास प्रस्तुत करेंगे।

मन विवेक से गुण को ग्रहण करता है : विनयमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के गणेश बाग स्थानक में चातुर्मासार्थ विराजित शिविराचार्य विनयमुनिजी खींचन ने आवश्यक सूत्र की विवेचना करते हुए कहा कि भगवान महावीर ने आत्मा को सामायिक मानी है। जड़-जड़ है चैतन्य गुण का अभाव होता है। समझ में विवेक आता है तब वह आत्मा चरित्र में रुचि लेती है। वर्तमान में मनुष्य को चरित्र संवारने की शिक्षाएं कम सिखाई जा रही है, परन्तु वर्तमान काल में चरित्र की शिक्षा बहुत ही अल्प मात्रा में भी नहीं दी जा रही है। बिना चरित्र का मानव मानो नाथ बिना का बैल, अंकुश बिना का हाथी और शिक्षक बिना का स्कूल हो जाता है। चारित्र में प्रथम पांच यम सत्य अहिंसा अचौर्य-सदाचार मर्यादामय साधनों के आधार पर जीवन जीता हो, वही चारित्र का वास होता है। संसार गुण-दोषों से भरा है। मन विवेक से गुण को ग्रहण करता है और अविवेक से दोष ग्रहण करता है। मनुष्य को जीवन में गुणों की सौरभ पैदा करनी चाहिए। महामंत्री संपतराज मांडोत ने सभी का आभार व्यक्त किया। संघ प्रवक्ता प्रसन्नचंद मांडोत ने सभी का स्वागत किया।

इंफोसिस को भेजा 32,400 करोड़ रु. का नोटिस कर्नाटक जीएसटी प्राधिकरण ने वापस लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के कर्नाटक प्राधिकरण ने दिग्गज सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी इन्फोसिस को भेजा गया लगभग 32,400 करोड़ रुपये की मांग का कारण बताओ नोटिस वापस ले लिया है।

इसके साथ ही कर्नाटक प्राधिकरण ने आईटी कंपनी को निर्देश दिया है कि वह इस मसले पर जीएसटी आसूचना महानिदेशालय (डीजीजीआई) के केंद्रीय प्राधिकरण को एक नया जवाब दे।

डीजीजीआई जीएसटी, केंद्रीय उत्पाद शुल्क और सेवा कर के उल्लंघन से संबंधित मामलों के लिए शीर्ष आसूचना एवं जांच एजेंसी है। इसे अप्रत्यक्ष कर कानूनों के अनुपालन में सुधार करने का कार्य सौंपा गया है। इन्फोसिस ने बीएसई को बृहस्पतिवार शाम को दी सूचना में कहा था कि कर्नाटक राज्य अधिकारियों ने उसे भेजे गए कारण बताओ नोटिस को वापस लेने और कंपनी को इस मामले पर डीजीजीआई केंद्रीय प्राधिकरण को एक और जवाब देने का निर्देश दिया है।

देश की दूसरी बड़ी आईटी कंपनी बुधवार को उस समय सुर्खियों में आ गई थी जब जीएसटी अधिकारियों ने कंपनी को 2017 से शुरू होने वाले पांच वर्षों के लिए अपनी विदेशी शाखाओं से मिली सेवाओं पर 32,403 करोड़ रुपये का नोटिस दिया। हालांकि इन्फोसिस ने इसे पूर्व-कारण बताओ नोटिस बताते हुए कहा था कि संबंधित मामले में उसकी जीएसटी देनदारी नहीं बनती है।

सॉफ्टवेयर कंपनियों के राष्ट्रीय संगठन नैसकॉम ने भी बृहस्पतिवार को इन्फोसिस के पक्ष में बयान देते हुए कहा था कि यह नोटिस उद्योग के परिचालन मॉडल से जुड़ी समझ की कमी को दर्शाता है।

एसकेआई कैपिटल के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी नरिंदर वाधवा ने कहा कि बाजार की स्थिरता और निवेशकों का विश्वास बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय जोखिम वाली कंपनियों के खिलाफ मामलों को आगे बढ़ाने से पहले पूरी तरह से जांच की जानी चाहिए और स्पष्ट सबूत होने चाहिए।

उन्होंने कहा कि जीएसटी विभाग को बड़ी और प्रतिष्ठित कंपनियों, खासकर इन्फोसिस जैसी कंपनियों के खिलाफ नोटिस जारी करते समय सावधान रहना चाहिए, जिनका व्यवसाय काफी हद तक अंतरराष्ट्रीय है।

उन्होंने कहा कि आरोप और प्रतिष्ठा को नुकसान इन कंपनियों के व्यावसायिक संचालन और बाजार की स्थिति को काफी हद तक प्रभावित कर सकता है।

पति ने की पत्नी की हत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। चामराजपेट पुलिस थाना क्षेत्र में अपने मायके में रह रही पत्नी की पति ने हत्या कर दी। पति तवरेज पासा (38) ने अपने सुसराल चामराजपेट के एमडी ब्लॉक में रह रही अपनी पत्नी सैयद फाजिल फातिमा (34) की चाकू से गोद कर हत्या कर दी।

जानकारी के अनुसार तवरेज पासा की शादी फातिमा से नौ साल पहले हुई थी। इनके दो बच्चे थे। फातिमा अपने पति के व्यवहार से परेशान होकर अपने अभिभावकों के घर आ गई थी। कल पति तवरेज पासा ने फातिमा के घर जाकर फेस बुक पर लाइव वीडियो डाला। फिर बाद में वह घर में जाकर फातिमा पर चाकू से कई बार हमला किया। फातिमा की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। तवरेज फिर वहां से वह चाकू लेकर फरार हो गया। आसपास के सीसीटीवी में तवरेज पासा घर में जाते हुए देखा गया और वहां से वह चाकू लेकर बाहर निकलता दिखाई दे रहा है। पुलिस तवरेज की तलाश कर रही है।

देश में निर्माण होने पर जनहित याचिकाएं क्यों दायर की जाती हैं: शीर्ष अदालत हैरान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विकास और पारिस्थितिकी संतुलन को महत्वपूर्ण बताते हुए उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को इस बात पर हैरानी जतायी कि जब राजमार्ग जैसी ढांचागत परियोजनाएं शुरू की जाती हैं तो जनहित याचिकाएं (पीआईएल) क्यों दायर की जाती हैं?

शीर्ष अदालत ने यह टिप्पणी गोवा में तिनैघाट-वास्को डी गामा मार्ग के वास्को डी गामा-कुलेम खंड पर रेलवे पटरियों के दोहरीकरण से जुड़े निर्माण कार्य पर एक याचिका पर सुनवाई के दौरान की। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा, हम केवल यह सोच रहे हैं कि ऐसा केवल इस देश में ही क्यों होता है कि जब आप हिमाचल प्रदेश में सड़क बनाना शुरू करते हैं, तो जनहित याचिकाएं आ जाती हैं। जब आप राजमार्ग, राष्ट्रीय राजमार्ग बनाना शुरू करते हैं, तो जनहित याचिकाएं आ जाती हैं। पीठ ने याचिकाकर्ता के वकील से कहा, आप हमें एक भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध पर्यटन स्थल बताएं जहां रेलवे की सुविधा नहीं है। पीठ ने कहा, आल्प्स पर्वत पर जाएं और वे आपको ट्रेन में बर्फ के बीच से ले जाएंगे।

शीर्ष अदालत बंबई उच्च न्यायालय की गोवा पीठ के अगस्त 2022 के फैसले को चुनौती देने वाली एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसने रेलवे पटरी के दोहरीकरण के निर्माण से संबंधित एक जनहित याचिका को खारिज कर दिया था। याचिकाकर्ताओं ने उच्च न्यायालय में आरोप लगाया था कि निर्माण कार्य वर्ष 2011 के तटीय विनियमन क्षेत्र (सीआरजेड) अधिसूचना, गोवा सिंचाई अधिनियम-1973, गोवा पंचायत राज अधिनियम-1994 और गोवा शहर एवं नगर नियोजन कानून के तहत पूर्व अनुमति प्राप्त करने के वैधानिक आदेश का उल्लंघन करके किया जा रहा था।

शुक्रवार को सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने कहा कि यह परियोजना गोवा में रेलवे नेटवर्क को मजबूत करेगी और सड़क परिवहन पर बोझ को कम करने में मदद करेगी। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वकील ने अनियोजित विकास के खतरों पर प्रकाश डालते हुए केरल के वायनाड जिले की हालिया घटना का जिक्र किया जहां भूस्खलन ने 195 लोगों की जान ले ली। गोवा में रेलवे लाइन परियोजना पर पीठ ने कहा कि विशेषज्ञ हैं जो हर चीज की जांच करेंगे।

राज्यसभा में जब जया बच्चन की टिप्पणी पर हंसी नहीं रोक पाए सदस्य

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में शुक्रवार को उस समय सदस्य अपनी हंसी नहीं रोक पाए जब समाजवादी पार्टी (सपा) सदस्य जया बच्चन ने सभापति जगदीप धनखड़ से सवाल किया कि क्या उन्हें आज लंच ब्रेक मिला? जया बच्चन ने कहा, सर, मैं जया अमिताभ बच्चन आपसे कुछ पूछना चाहती हूं। सभापति धनखड़ इतना सुनते ही खिलखिलाकर हंस पड़े। सदस्यों के ठहाकों के बीच जया बच्चन ने धनखड़ से कहा, क्या आज आपको लंच ब्रेक मिला? नहीं मिला। तभी आप जयराम जी (कांग्रेस सांसद जयराम रमेश) का नाम ले रहे हैं। आप जब तक उनका नाम नहीं लेते, तब तक आपका खाना हजम नहीं होता है।

इस पर सभापति ने कहा, मैंने लंच के टाइम लंच नहीं किया, लेकिन उसके बाद जयराम रमेश के साथ ही लंच किया, और आज ही किया। उन्होंने जया बच्चन से यह भी कहा, मैं यह बता दूं कि यह पहला मौका है शायद, मैं आपका भी फैन हूं और अमिताभ जी का भी। सभापति और जया बच्चन के बीच की इस बातचीत के दौरान पूरे सदन में ठहाके लगते रहे। उच्च सदन में यह वाकया उस समय हुआ जब द्रमुक सदस्य मोहम्मद अब्दुल्ला के एक निजी संकल्प पर चर्चा हो रही थी। गौरतलब है कि जया बच्चन ने पिछले दिनों राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश द्वारा उन्हें 'जया अमिताभ बच्चन' के नाम से पुकारे जाने पर नाराजगी जतायी थी।

आदर्श कॉलेज में विद्यार्थी प्रतिनिधियों ने ली शपथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के चामराजपेट स्थित आदर्श कॉलेज में विद्यार्थी परिषद का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित हुआ। आबकारी निरीक्षक शिवशंकर आराध्य इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे।समारोह की अध्यक्षता आदर्श कॉलेज के सचिव जितेन्द्र मरडिया ने की। इस मौके पर पूर्व छात्र रजत अतिथि के रुप में उपस्थित थे। प्राचार्य डॉ. एस. प्रशांत ने सभी का स्वागत किया।

मुख्य अतिथि शिवशंकर आराध्य ने सभा को संबोधित किया और छात्रों को प्रेरित किया। शिवशंकर आदर्श कॉलेज के पूर्व छात्र थे जिन्होंने शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया तथा छात्रों को अपने शिक्षकों के मार्गदर्शन में लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। उन्होंने यह भी बताया कि किसी भी तरह की उपलब्धि के लिए अनुशासन और समर्पण महत्वपूर्ण है। उन्होंने छात्रों को मोबाइल फोन की लत से बचने की सलाह दी, क्योंकि इससे उनका ध्यान भटकता है। मुख्य अतिथि ने पीयू प्रथम और द्वितीय कक्षाओं के हेड बॉय, हेड गर्ल, सचिवों और कक्षा प्रतिनिधियों को बैज प्रदान किए। प्राचार्य डॉ. एस. प्रशांत ने शपथ दिलाई।

भारत को प्रति व्यक्ति अमेरिकी आय के एक-चौथाई तक पहुंचने में लग सकते हैं 75 साल: विश्व बैंक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत समेत 100 से अधिक देशों को अगले कुछ दशकों में उच्च आय वाला देश बनने में गंभीर बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है और भारत को प्रति व्यक्ति अमेरिकी आय के एक-चौथाई तक पहुंचने में भी लगभग 75 साल लग सकते हैं। विश्व बैंक की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई।

विश्व बैंक की 'विश्व विकास रिपोर्ट 2024: मध्यम आय जाल' के मुताबिक, चीन को प्रति व्यक्ति अमेरिकी आय के एक-चौथाई तक पहुंचने में 10 साल से अधिक और इंडोनेशिया को लगभग 70 साल लगेंगे। इस रिपोर्ट में पिछले 50 वर्षों के अनुभव के आधार पर पाया गया है कि जैसे-जैसे देश अमीर होते जाते हैं, वे आम तौर पर प्रति व्यक्ति वार्षिक अमेरिकी जीडीपी के लगभग 10 प्रतिशत के 'जाल' में फंस जाते हैं। यह 10 प्रतिशत राशि आज 8,000 अमेरिकी डॉलर के बराबर है। वर्ष 2023 के अंत में विश्व बैंक ने 108 देशों को मध्यम आय वर्ग के रूप में वर्गीकृत किया था। इनकी प्रति व्यक्ति वार्षिक जीडीपी 1,136 अमेरिकी डॉलर से लेकर 13,845 अमेरिकी डॉलर के बीच थी।

इन देशों में छह अरब लोग रहते हैं, जो वैश्विक आबादी का 75 प्रतिशत है। दुनिया में हरेक तीन में से दो लोग अत्यधिक गरीबी में जीवन व्यतीत कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, इन देशों के लिए आगे की राह में कई चुनौतियां हैं। इनमें तेजी से उम्रदराज हो रही जनसंख्या और बढ़ता कर्ज, तेज भू-राजनीतिक और व्यापार गतिरोध और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना आर्थिक प्रगति में मुश्किलें शामिल हैं।

दिल्ली कोचिंग सेंटर मौत मामले की जांच उच्च न्यायालय ने सीबीआई को सौंपी

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने यहां राजेंद्र नगर में स्थित एक कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भर जाने से सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे तीन विद्यार्थियों की डूबने से हुई मौत के मामले की जांच शुक्रवार को दिल्ली पुलिस से सीबीआई को सौंप दी। उच्च न्यायालय ने इस मामले की जांच सीबीआई को ''यह सुनिश्चित करने के लिए सौंपी कि जनता को जांच पर कोई संदेह न हो। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने आपराधिक मामले में सीबीआई द्वारा की जाने वाली जांच की निगरानी के लिए सीवीसी को एक वरिष्ठ अधिकारी नियुक्त करने को कहा। अदालत ने कहा, घटना की प्रकृति को ध्यान में रखते हुए और यह सुनिश्चित करने के लिए कि जनता को जांच के संबंध में कोई संदेह न हो, यह अदालत मामले की जांच सीबीआई को सौंपती है।

5 साल में 100 वंदे भारत समेत 772 नई रेल सेवाएं शुरू की गईं: रेल मंत्री

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि 2019-2020 से 2023-2024 तक भारतीय रेलवे नेटवर्क में 100 वंदे भारत सहित 772 ट्रेन सेवाएं शुरू की गई हैं। रेल मंत्री ने शुक्रवार को राज्यसभा को एक प्रश्न के लिखित जवाब में बताया ''विभिन्न वर्गों के यात्रियों की यात्रा संबंधी जरूरतें पूरी करने के लिए, भारतीय रेलवे विभिन्न प्रकार की सेवाओं जैसे एक्सप्रेस ट्रेनें, सुपरफास्ट ट्रेनें, पैसेंजर/मेमू/डेमू ट्रेनें और उपनगरीय सेवाएं शुरू करती है और उनका संचालन करती है। भाजपा सांसद नीरज शेखर ने उनसे 2024-25 के दौरान प्रस्तावित नई ट्रेनों की संख्या और पिछले पांच वर्षों में शुरू की गई वंदे भारत, राजधानी और अन्य ट्रेनों जैसी नई ट्रेनों की वर्षवार और क्षेत्रवार जानकारी मांगी थी। वैष्णव ने कहा, वर्ष 2019-2020 से 2023-2024 की अवधि के दौरान, भारतीय रेलवे नेटवर्क पर 100 वंदे भारत ट्रेनों सहित 772 ट्रेन सेवाएं शुरू की गई हैं। भारतीय रेलवे पर ट्रेन सेवाओं की शुरुआत एक सतत प्रक्रिया है जो यातायात औचित्य, परिचालन व्यवहार्यता, संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर करती है।

जर्मनी की डॉयचे एयरक्राफ्ट ने बेंगलूरु स्थित एसएएसएमओएस एचईटी टेक्नोलॉजीज के साथ की साझेदारी

बेंगलूरु/मुंबई। जर्मनी की विमान विनिर्माता डॉयचे एयरक्राफ्ट ने 40 सीट वाले टर्बोप्रॉप क्षेत्रीय विमान डी328ईको के लिए बेंगलुरु स्थित एसएएसएमओएस एचईटी टेक्नोलॉजीज के साथ साझेदारी की है। कंपनी ने बयान में कहा, इस रणनीतिक सहयोग के तहत एसएएसएमओएस एचईटी टेक्नोलॉजीज क्षेत्रीय विमानों के लिए इलेक्ट्रिकल वायरिंग इंटरकनेक्शन सिस्टम का विशेष डिजाइन प्रदान करेगी, जो वैश्विक स्तर पर एयरोस्पेस इंजीनियरिंग को आगे बढ़ाने के प्रयासों में उपलब्धि साबित होगी। डॉयचे एयरक्राफ्ट के मुख्य परिचालन अधिकारी निको न्यूमैन ने कहा, हम डी328ईको कार्यक्रम में भागीदार के रूप में एसएएसएमओएस एचईटी टेक्नोलॉजीज का स्वागत करते हैं। शीर्ष-स्तरीय एयरोस्पेस वायरिंग समाधान विकसित करने और वितरित करने के लिए उनकी प्रतिष्ठा डी328ईको के लिए हमारी आवश्यकताओं के साथ मेल खाती है। एसएएसएमओएस एचईटी टेक्नोलॉजीज के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक चंद्रशेखर एच जी ने कहा, यह साझेदारी एयरोस्पेस प्रौद्योगिकी में नवप्रवर्तक के रूप में हमारी स्थिति की पुष्टि करती है।

सावन की शिवरात्रि पर भगवान शंकर के अभिषेक के साथ कांवड़ मेला संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हरिद्वार/भाषा। सावन की शिवरात्रि के मौके पर शुक्रवार को शिवालयों में श्रद्धालुओं द्वारा भगवान शंकर का अभिषेक करने के साथ ही यहां पिछले 14 दिनों से जारी कांवड़ मेला संपन्न हो गया। इस दौरान, साढ़े चार करोड़ शिवभक्त गंगाजल लेने उत्तराखंड आए।

शिव की ससुराल माने जाने वाले कनखल के दक्षेश्वर महादेव मंदिर में बृहस्पतिवार मध्यरात्रि से ही शिवभक्तों की भीड़ लगनी शुरू हो गई थी। मान्यता है कि सावन में भगवान शिव इस मंदिर में एक माह के लिए वास करते हैं और जो भक्त उनका दूध, शहद, बेलपत्र और गंगाजल से अभिषेक करते हैं, उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। प्रशासन के आंकड़ों के अनुसार, इस साल कांवड़ मेले में साढ़े चार करोड़ कांवड़िए गंगाजल लेने के लिए हरिद्वार पहुंचे।

कांवड़ मेले के निर्विघ्न संपन्न होने के अवसर पर हरिद्वार के जिलाधिकारी धीरज गर्ब्याल और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र डोभाल सहित अन्य प्रशासनिक तथा पुलिस अधिकारियों ने भी हर की पौड़ी से गंगाजल भर कर दक्षेश्वर महादेव मंदिर में भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। इस अवसर पर दक्षेश्वर महादेव मंदिर कनखल के प्रबंधक एवं श्री पंचायती महानिर्वाणी अखाड़ा के सचिव महंत रविंद्र पुरी महाराज ने सभी अधिकारियों का स्वागत किया और उन्हें आशीर्वाद दिया।

पुत्तूर बाईपास रोड पर भूस्खलन, राष्ट्रीय राजमार्ग 275 पर यातायात बाधित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। कर्नाटक के मंगलुरु में पुत्तूर बाईपास रोड पर भूस्खलन हो गया, जिससे वहां यातायात बाधित हो गया। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुत्तूर बाईपास रोड को बंटवाल-मैसूरु रोड और राष्ट्रीय राजमार्ग 275 के नाम से भी जाना जाता है। अधिकारियों ने स्थानीय लोगों के हवाले से बताया कि पुत्तूर बाईपास रोड पर शुक्रवार को तड़के करीब तीन बजे भूस्खलन हुआ, जिसके बाद मैसूरु और मंगलूरु जाने वाले वाहनों को पुत्तूर कस्बे से होकर गुजरना पड़ा रहा है।

पुलिस के अनुसार, भूस्खलन होने के कारण वहां अभी तक किसी व्यक्ति या वाहन के फंसने की कोई सूचना नहीं है। भूस्खलन स्थल के दोनों तरफ अवरोधक लगा दिए गए हैं, जिससे पुत्तूर शहर से गुजरने वाले यातायात के मार्ग में बदलाव हुआ है। पुलिस भी यातायात नियंत्रित करने के प्रयास कर रही है। राज्य राजमार्ग विभाग ने घटनास्थल पर कई श्रमिकों और उत्खनन मशीनें भेजकर सुबह आठ बजे मलबा हटाने का काम शुरू किया। कर्नाटक राज्य प्राकृतिक आपदा निगरानी केंद्र ने तटीय और आंतरिक तटीय क्षेत्रों में और अधिक बारिश की संभावना जताई है, जिससे प्रभावित हिस्सों में मलबा हटाने के काम में बाधा उत्पन्न हो सकती है।

रिकॉर्ड 7.28 करोड़ आयकर रिटर्न तय सीमा तक हुए दाखिल: कर विभाग

नई दिल्ली/भाषा। आयकर विभाग ने शुक्रवार को कहा कि 31 जुलाई की निर्धारित समयसीमा तक रिकॉर्ड 7.28 करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न दाखिल किए गए, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 7.5 प्रतिशत अधिक है। कर विभाग ने एक बयान में कहा कि आकलन वर्ष 2024-25 के लिए रिकॉर्ड 7.28 करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल किए गए हैं। पिछले साल 6.77 करोड़ आईटीआर दाखिल किए गए थे।

विभाग के बयान के मुताबिक, आकलन वर्ष 2024-25 के लिए दाखिल किए गए कुल 7.28 करोड़ आईटीआर में से नई कर व्यवस्था के तहत 5.27 करोड़ रिटर्न दाखिल किए गए हैं। वहीं पुरानी कर व्यवस्था में दाखिल रिटर्न की संख्या 2.01 करोड़ है। इस प्रकार, लगभग 72 प्रतिशत करदाताओं ने नई कर व्यवस्था को चुना है, जबकि 28 प्रतिशत करदाता पुरानी कर व्यवस्था में बने हुए हैं। वेतनभोगी करदाताओं और अन्य गैर-कर लेखा परीक्षा मामलों के लिए आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तारीख 31 जुलाई, 2024 थी। इस समयसीमा के अंतिम दिन यानी 31 जुलाई को 69.92 लाख से अधिक रिटर्न दाखिल किए गए। पहली बार रिटर्न दाखिल करने वालों की संख्या 58.57 लाख थी, जो कर आधार के विस्तार का एक अच्छा संकेत है। ऐतिहासिक रूप से पहली बार आईटीआर (आईटीआर-1, आईटीआर-2, आईटीआर-4, आईटीआर-6) को वित्त वर्ष के पहले दिन यानी एक अप्रैल, 2024 को ही विभाग के ई-फाइलिंग पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया था।

केरल भूस्खलनः मृतकों की संख्या 210 हुई

वायनाड। केरल के पर्यटन मंत्री पी.ए. मोहम्मद रियास ने शुक्रवार को बताया कि तीन दिन पहले वायनाड जिले में भूस्खलन की घटनाओं में मरने वालों की संख्या 210 हो गई है। रियास द्वारा यहां संवाददाता सम्मेलन में जारी आंकड़ों के अनुसार 83 महिलाओं और 29 बच्चों समेत 210 शव बरामद किए गए हैं। मंत्री ने कहा कि 119 शव परिजनों को सौंपे जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि वायनाड जिले के मुंडक्कई क्षेत्र में भूस्खलन के तीन दिन बाद बचावकर्मियों ने शुक्रवार को एक ही परिवार के चार लोगों को पदवेट्टी कुन्नू के पास एक इलाके में सुरक्षित पाया। रियास ने कहा कि भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में लगभग 1,374 बचावकर्मी तलाशी अभियान जारी रखे हुए हैं। उन्होंने बताया कि इसके अलावा खोज एवं बचाव अभियान के तहत रडार और ड्रोन का भी उपयोग किया जा रहा है। केरल के एडीजीपी एम. आर. अजित कुमार ने सुबह कहा था कि लगभग 300 लोग अब भी लापता हैं। केरल स्वास्थ्य विभाग के अनुसार इसके अतिरिक्त विभिन्न शवों के 133 अंग भी बरामद किए गए हैं। स्थानीय प्रशासन ने बताया कि इस आपदा में 264 लोग घायल हुए हैं और इनमें से 177 को अस्पतालों से छुट्टी दे दी गई है, दो को अन्य चिकित्सा संस्थानों में रेफर कर दिया गया है तथा 85 लोगों का जिले के विभिन्न अस्पतालों में इलाज जारी है। इससे पहले केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा था कि भूस्खलन में गंभीर रूप से घायल हुए लोगों के इलाज के लिए वायनाड के सरकारी अस्पतालों में आईसीयू तैयार कर दिए गए हैं।

मलबे में जिंदा बचे लोगों की तलाश में जुटे जैकी, डिक्सी और सारा

वायनाड। भारतीय सेना के लैब्राडोर रिट्रीवर नस्ल के तीन श्वान जैकी, डिक्सी और सारा केरल के वायनाड जिले के भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में मलबे में फंसे जीवित लोगों को खोजने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। ये श्वान कीचड़, मलबे और बारिश जैसी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सामना करते हुए मलबे के नीचे दबे लोगों की तलाश कर रहे हैं। इन श्वान को मलबे के नीचे मानव गंध की पहचान करने और संकेत देने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। रक्षा विभाग के एक पीआरओ ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, इंसान के सबसे अच्छे दोस्त वायनाड में मलबे के नीचे लोगों को खोजने के लिए मनुष्यों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रहे हैं। भारतीय सेना के तीन लैब्राडोर श्वान जैकी, डिक्सी और सारा कीचड़, मलबे या बारिश की परवाह किये बिना जीवित लोगों की तलाश में जुटे हैं। इन श्वान को उत्तर प्रदेश के मेरठ कैंट स्थित आरवीसी सेंटर एवं कॉलेज के श्वान प्रशिक्षण संकाय (डीटीएफ) से लाया गया है। यह संकाय खोज और बचाव समेत नौ विशिष्ट कार्यों के लिए श्वान को प्रशिक्षित करता है। रक्षा सूत्रों के अनुसार वायनाड लाये गये श्वान विशेषज्ञ खोज एवं बचाव (एसएआर) श्वान हैं, जिन्हें मलबे के नीचे मानव गंध की पहचान करने और संकेत देने के लिए प्रशिक्षित किया गया है। इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए उन्हें 12 सप्ताह का बुनियादी प्रशिक्षण और उसके बाद 24 सप्ताह का विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है। ये श्वान मलबे के 10-12 फुट नीचे भी मानव शरीर की गंध सूंघने में सक्षम हैं। सूत्रों ने बताया कि इन श्वान को पहले भी बड़े अभियानों के लिए तैनात किया चुका है।

वायनाड भूस्खलन पूर्वानुमान बुलेटिन अभी प्रायोगिक : जीएसआई

कोलकाता। केरल के भूस्खलन प्रभावित वायनाड में चेतावनी प्रणाली के विफल' होने की खबरों के बीच भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) ने शुक्रवार को कहा कि जिले के लिए उसके क्षेत्रीय पूर्वानुमान बुलेटिन प्रायोगिक थे और जमीनी परीक्षण के लिए दिन में एक बार जारी किए जाते थे। जीएसआई के एक अधिकारी ने बताया कि यह प्रक्रिया पूर्वानुमान मॉडल तैयार करने का ''एक हिस्सा'' थी, जिसके सार्वजनिक उपयोग के लिए तैयार होने में चार से पांच वर्ष लगेंगे। जीएसआई के एक प्रवक्ता ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, जीएसआई ने केरल के वायनाड जिले के लिए दिन में एक बार प्रायोगिक तौर पर क्षेत्रीय भूस्खलन पूर्वानुमान बुलेटिन जारी करना शुरू कर दिया है। यह 2024 के मॉनसून की शुरुआत के बाद से जमीनी परीक्षण के लिए केवल राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) और जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) को जारी किए जाते हैं। यह फीडबैक हासिल करने के लिये सिर्फ एसडीएमए और डीडीएमए तक सीमित है। अधिकारी ने बताया कि 28 जुलाई को प्रायोगिक पूर्वानुमान प्रणाली बंद होने के दिन को छोड़कर 26 से 30 जुलाई के बीच जीएसआई ने हर दिन बुलेटिन जारी किए। अधिकारी ने कहा कि वायनाड जिले के लिए जीएसआई भूस्खलन का पूर्वानुमान सभी दिनों के लिये 'कम' था, हालांकि 26 जुलाई को व्याथिरी तालुक और 30 जुलाई को व्याथिरी और मनंतवडी तालुक के लिए 'मध्यम' पूर्वानुमान था।

वायनाड भूस्खलन : एक ही परिवार के चार सदस्य सुरक्षित पाए गए

वायनाड। वायनाड जिले के मुंडक्कई क्षेत्र में विनाशकारी भूस्खलन के तीन दिन बाद बचाव कर्मियों ने शुक्रवार को एक ही परिवार के चार लोगों को पदवेट्टी कुन्नू के पास एक इलाके में सुरक्षित पाया। मुंडक्कई क्षेत्र में बड़े पैमाने पर तलाश और बचाव अभियान जारी है। यह इलाका मंगलवार को बड़े पैमाने पर भूस्खलन से प्रभावित हुआ था। बचाव कर्मियों ने शुक्रवार को पाया कि परिवार भूस्खलन के बाद अलग-थलग पड़ गया था क्योंकि उनका घर क्षेत्र के बाकी हिस्सों से कट गया था। इस परिवार में दो पुरुष और दो महिलाएं हैं। सेना के एक जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि परिवार को हवाई मार्ग से निकाला जाएगा। सूत्रों ने कहा कि फंसे हुए इस परिवार के रिश्तेदारों की सूचना पर बचाव दल इलाके में पहुंचा था।

वायनाड त्रासदी पर जवाबदेही से बचने के लिए राहुल गांधी काल्पनिक मुद्दे उठा रहे हैं : भाजपा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राहुल गांधी की ओर से अपने खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी की तैयारी का दावा करने के लिए लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष पर निशाना साधा और कहा कि वायनाड से सांसद के रूप में अपनी जवाबदेही से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए वह एक नई कहानी गढ़ रहे हैं। भाजपा नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने पार्टी मुख्यालय में संवाददाताओं से कहा कि हो सकता है कि राहुल गांधी से कहा गया हो कि लोग उनकी जवाबदेही के बारे में सवाल पूछ रहे हैं, इसलिए उन्होंने एक नया विमर्श गढ़ने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि गांधी ने वायनाड से जुड़े सवालों से बचने के लिए एक काल्पनिक मुद्दा उठाया है। उन्होंने दावा किया कि लोग उनकी जवाबदेही के बारे में पूछ रहे हैं। विपक्ष के नेता के दावे पर प्रतिक्रिया देते हुए केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा की सहयोगी जनता दल (यूनाइटेड) के नेता ललन सिंह ने कहा कि गांधी ने कुछ ऐसा किया होगा तभी उन्हें लग रहा है कि उनके खिलाफ इस प्रकार की कार्रवाई हो सकती है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''अगर किसी ने कोई गलत नहीं किया है तो उसे कुछ क्यों होगा?'' गांधी 2019 और 2024 के लोकसभा चुनावों में वायनाड से चुने गए थे। साल 2024 के चुनाव में उन्होंने वायनाड के साथ-साथ रायबरेली से भी जीत दर्ज की थी।

बचाव कार्य के लिए जीपीएस निर्देशांक, मोबाइल फोन की लोकेशन का इस्तेमाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वायनाड। सेना द्वारा 190 फुट लंबे 'बेली ब्रिज' का निर्माण पूरा किये जाने के बाद खोज अभियान में तेजी आने के बीच बचाव दलों ने शुक्रवार को केरल के वायनाड में भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के मोबाइल फोन से प्राप्त अंतिम लोकेशन समेत जीपीएस निर्देशांकों और ड्रोन चित्रों का इस्तेमाल करके मलबे में फंसे लोगों की तलाश की। वायनाड जिले के मुंडक्कई क्षेत्र में भूस्खलन के तीन दिन बाद बचावकर्मियों ने शुक्रवार को एक ही परिवार के चार लोगों को पदवेट्टी कुन्नू के पास एक इलाके में सुरक्षित पाया। लगभग 300 लोग अभी भी लापता हैं तथा मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका है।

भूस्खलन की घटनाओं में मरने वालों की संख्या 210 पर पहुंच गई है जबकि 264 लोग घायल हुए हैं। केरल स्वास्थ्य विभाग के अनुसार इसके अतिरिक्त विभिन्न शवों के 133 अंग भी बरामद किए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि 190 फुट लंबे 'बेली ब्रिज' का निर्माण पूरा होने से बचाव अभियान में तेजी आई है। इस पुल के रास्ते उत्खनन मशीनों सहित भारी मशीन और एम्बुलेंस मुंडक्कई और चूरलमाला तक पहुंच पाएंगी।

केरल के एडीजीपी एम.आर. अजित कुमार ने इससे पहले कहा था कि लगभग 300 लोग अब भी लापता हैं। वायनाड जिले में भूस्खलन के चौथे दिन शुक्रवार को बचावकर्मियों की 40 टीम ने बारिश और प्रतिकूल परिस्थितियों के बीच तलाश एवं बचाव अभियान शुरू किया। संयुक्त दलों में सेना, एनडीआरएफ, डीएसजी, तटरक्षक और नौसेना के कर्मी शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि चालियार के 40 किलोमीटर क्षेत्र में स्थित आठ पुलिस थाने के पुलिसकर्मी और स्थानीय तैराक बलों ने साथ मिलकर उन शवों की खोज शुरू कर दी है, जो संभवतः बहकर नीचे चले गए हैं या नदी के किनारे फंसे हुए हैं।

इसके साथ ही पुलिस हेलीकॉप्टर की मदद से एक अन्य तलाशी अभियान भी चलाया जा रहा है। इसके अलावा तटरक्षक बल, नौसेना और वन विभाग ने संयुक्त रूप से नदी के किनारों और उन क्षेत्रों में खोज अभियान चलाया जहां शव फंसे हो सकते हैं।

वायनाड की जिलाधिकारी मेघाश्री डी. आर. ने पत्रकारों को बताया कि सबसे अधिक प्रभावित मुंदक्कई और चूरलमाला कस्बों को छह जोन में बांटा गया है। इन क्षेत्रों

में भारी मशीनरी और स्वान दस्तों के साथ बचावकर्मियों की 40 टीम तैनात की गई हैं। उन्होंने कहा कि ड्रोन से ली गई तस्वीरों और जीपीएस निर्देशांकों की मदद से ऐसे कई स्थानों को चिह्नित किया गया है, जहां खोज एवं बचाव अभियान चलाया जा सकता है।

उन्होंने यह भी कहा कि ड्रोन द्वारा ली गई हवाई तस्वीरों से विशिष्ट खोज स्थानों के जीपीएस निर्देशांक की पहचान करने में मदद मिली है। राजस्व मंत्री के. राजन ने एक दिन पहले कहा था कि मलबे में दबे शवों का पता लगाने के लिए दिल्ली से ड्रोन आधारित रडार शनिवार को वायनाड लाया जाएगा। उन्होंने कहा कि तलाश अभियान में फिलहाल छह श्वानों की मदद ली जा रही है तथा चार और श्वान तमिलनाडु से वायनाड लाए जाएंगे। इस बीच, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा के साथ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं।

कांग्रेस नेता गांधी ने भूस्खलन को शुक्रवार को एक ऐसे स्तर की भयानक त्रासदी'' बताया, जो राज्य के किसी क्षेत्र में अब तक नहीं देखी गई थी। उन्होंने कहा कि इस घटना को अलग तरह से लिया जाना चाहिए। गांधी ने कहा कि वह इस मामले को दिल्ली में और केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के समक्ष भी उठाएंगे, क्योंकि यह एक अलग स्तर की त्रासदी है और इस घटना को अलग तरह से लिया जाना चाहिए। उन्होंने यह वादा भी किया कि कांग्रेस पार्टी वायनाड में 100 से अधिक मकान बनाएगी।

भूस्खलन में बचे लोगों को मनोवैज्ञानिक संबल प्रदान करने के लिए एक मानसिक स्वास्थ्य आपदा प्रबंधन टीम का गठन किया गया है। राज्य की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। जॉर्ज ने कहा कि केरल के पहाड़ी जिले में हुई त्रासदी के तुरंत बाद मंगलवार को मनोचिकित्सकों, नैदानिक मनोवैज्ञानिकों, मानसिक स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े सामाजिक कार्यकर्ताओं और परामर्शदाताओं की 121 सदस्यीय टीम गठित की गई थी। केरल के वायनाड में भूस्खलन में मारे गए लोगों के अज्ञात शवों को पहाड़ी जिले के सार्वजनिक कब्रिस्तान में दफनाया जाएगा। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि शवों को दफनाने के लिए कलपेट्टा नगरपालिका, मुत्तिल, कनियाम्बट्टा, पदिनजथारा, थोंडरनाड, एडवाका और मुलनकोल्ली ग्राम पंचायतों समेत विभिन्न स्थानों पर कब्रिस्तानों में व्यवस्था की गई है। वायनाड भूस्खलन हादसे के बाद व्यवसायी, मशहूर हस्तियां और संस्थाएं मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष में लाखों-करोड़ों रुपये दान देने में जुटी हैं। इसी बीच पीड़ितों की मदद के लिए एक चाय की दुकान चलाने वाली बुजुर्ग महिला भी आगे आई है।

बुजुर्ग महिला ने अपनी सारी कमाई और पेंशन उन लोगों के लिए दान कर दी हैं जो इस हादसे में अपना सब कुछ खो चुके हैं । कोल्लम जिले के पल्लीथोट्टम निवासी सुबैदा अपना और अपने पति का पेट पालने के लिए एक छोटी सी चाय की दुकान चलाती हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष (सीएमडीआरएफ) को 10 हजार रुपए दान किए हैं। उन्होंने अपनी चाय की दुकान से होने वाली मामूली आय और दंपति को मिलने वाली कल्याणकारी पेंशन से धनराशि दान की है। उन्होंने कहा, मैंने कुछ दिन पहले ब्याज चुकाने के लिए बैंक से राशि निकाली थी। लेकिन फिर हमने टीवी पर देखा कि वायनाड भूस्खलन में अपना सब कुछ खो चुके लोगों की मदद के लिए सभी से योगदान मांगा जा रहा है। उन्होंने कहा, मेरे पति ने तुरंत मुझसे कहा कि मैं जाकर जिलाधिकारी को रुपये दे दूं। उन्होंने कहा कि इस समय लोगों की मदद करना अधिक जरूरी है, ब्याज तो बाद में भी चुकाया जा सकता है। इसलिए मैंने जिलाधिकारी कार्यालय जाकर रुपये जमा करा दिए। मैं वायनाड जाकर मदद नहीं कर सकती।

केरल में भूस्खलन राज्य सरकार की लापरवाही का नतीजा है : चंद्रशेखर

तिरुवनंतपुरम/नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि वायनाड में भूस्खलन और इसके कारण हुई जानमाल की क्षति 2009 से केरल में सत्तारूढ़ सरकारों की लापरवाही के कारण हुई है।

चंद्रशेखर ने राष्ट्रीय राजधानी में पत्रकारों से कहा कि वायनाड में जो कुछ हुआ वह कोई त्रासदी नहीं, बल्कि ''एक अपराध है''। उन्होंने कहा कि इस लापरवाही के कारणों और इसके पीछे कथित व्यावसायिक हितों के बारे में सवाल पूछे जाने चाहिए, क्योंकि इसका खामियाजा वायनाड के लोगों को भुगतना पड़ा''। उन्होंने कहा, लापरवाही हुई है और हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि इसके लिए किसे जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए।

भाजपा नेता ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर भी कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस नेता ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी का मुद्दा इस सवाल से बचने के लिए उठाया कि भूस्खलन क्यों हुआ और इसके लिए किसे जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए।

उन्होंने दावा किया, मुश्किल सवालों से बचने के लिए कांग्रेस ने यह रणनीति अपनाई है। चंद्रशेखर ने कहा कि केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने राज्य को हर संभव मदद दी है और आगे भी देती रहेगी।

बुजुर्ग महिला ने अपनी कमाई और पेंशन राहत कोष में दान की

कोल्लम (केरल)। वायनाड भूस्खलन हादसे के बाद व्यवसायी, मशहूर हस्तियां और संस्थाएं मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष में लाखों-करोड़ों रुपये दान देने में जुटी हैं। इसी के बीच पीड़ितों की मदद के लिए एक चाय की दुकान चलाने वाली बुजुर्ग महिला भी आगे आई है। बुजुर्ग महिला ने अपनी सारी कमाई और पेंशन उन लोगों के लिए दान कर दी हैं जो इस हादसे में अपना सब कुछ खो चुके हैं । वायनाड भूस्खलन में 190 लोगों की मौत हो चुकी है। कोल्लम जिले के पल्लीथोट्टम निवासी सुबैदा अपना और अपने पति का पेट पालने के लिए एक छोटी सी चाय की दुकान चलाती हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष को 10 हजार रुपए दान किए हैं। उन्होंने अपनी चाय की दुकान से होने वाली मामूली आय और दंपति को मिलने वाली कल्याणकारी पेंशन से धनराशि दान की है। उन्होंने कहा, मैंने कुछ दिन पहले ब्याज चुकाने के लिए बैंक से राशि निकाली थी। लेकिन फिर हमने टीवी पर देखा कि वायनाड भूस्खलन में अपना सब कुछ खो चुके लोगों की मदद के लिए सभी से योगदान मांगा जा रहा है। उन्होंने एक टीवी चैनल पर कहा, मेरे पति ने तुरंत मुझसे कहा कि मैं जाकर जिलाधिकारी को रुपये दे दूं। उन्होंने कहा कि इस समय लोगों की मदद करना अधिक जरूरी है, ब्याज तो बाद में भी चुकाया जा सकता है। इसलिए मैंने जिलाधिकारी कार्यालय जाकर रुपये जमा करा दिए। मैं वायनाड जाकर मदद नहीं कर सकती। सुबैदा ने आगे कहा कि अगर उसने रुपये जमा किए और उसके साथ कुछ हो जाता है, तो न ही ब्याज का भुगतान किया जा सकेगा और न ही उस राशि से किसी की मदद की जा सकेगी। उन्होंने कहा, यह तरीका बेहतर है। और लोगों की मदद करने के लिए आगे आने का यह उनका पहला मौका नहीं है। उन्होंने बताया कि इससे पहले उन्होंने बाढ़ राहत प्रयासों के लिए धन दान करने को अपनी चार बकरियां बेच दी थीं।

वायनाड भूस्खलन में 49 बच्चे या तो लापता या मर चुके हैं : मंत्री वी शिवनकुट्टी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। केरल के शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने शुक्रवार को कहा कि तीन दिन पहले वायनाड जिले में विनाशकारी भूस्खलन की घटनाओं में कम से कम 49 बच्चे या तो लापता हैं या मर चुके हैं। यहां मीडिया से शिवनकुट्टी ने कहा कि वेल्लारीमाला में सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय प्राकृतिक आपदा से पूरी तरह नष्ट हो गया है, जबकि आसपास के चार अन्य स्कूलों को भी क्षति हुई है।

उन्होंने कहा, रिपोर्ट के अनुसार, 49 बच्चे या तो मर चुके हैं या लापता हैं। वेल्लारीमाला का स्कूल पूरी तरह से नष्ट हो गया है। मुंदक्कई का प्राथमिक स्कूल आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गया है। तीन अन्य स्कूलों को भी मामूली क्षति हुई है।

मंत्री ने कहा कि जीवित बचे कई बच्चों ने अपनी कॉपी-किताबें और प्रमाण पत्र खो दिए हैं, और सरकार इन सभी मामलों पर विचार करेगी और मुख्यमंत्री के साथ चर्चा के बाद उनकी मदद करेगी। उन्होंने कहा, वेल्लारीमाला के स्कूल का पुनर्निर्माण किया जाना है। मुंदक्कई सहित अन्य चार स्कूलों में कुछ मरम्मत कार्य की जरूरत है।

पुडुचेरी के मुख्यमंत्री रंगासामी ने 12,700 करोड़ रु. का कर-मुक्त बजट किया पेश

पुडुचेरी। पुडुचेरी के मुख्यमंत्री एन. रंगासामी ने शुक्रवार को विधानसभा में वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 12,700 करोड़ रुपये का कर-मुक्त बजट पेश किया। उन्होंने कहा कि पुडुचेरी का बजट आकार 12,700 करोड़ रुपये निर्धारित किया गया है।

वित्त मंत्रालय का कार्यभार संभाल रहे रंगासामी ने बताया कि केंद्र शासित प्रदेश की अपनी प्राप्तियां 6,914.66 करोड़ रुपये अनुमानित की गई हैं, जबकि राज्य आपदा राहत कोष सहित केंद्रीय सहायता 3,268.98 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय सड़क निधि 20 करोड़ रुपये, जबकि केंद्र प्रायोजित योजनाओं के तहत आवंटन 430 करोड़ रुपये अनुमानित किया गया है। अपने 80 मिनट के संबोधन में रंगासामी ने कहा कि वह पंद्रहवीं विधानसभा में अपना चौथा बजट पेश करते हुए बेहद खुश हैं। रंगासामी ने बताया कि केंद्र सरकार ने हमारे राजकोषीय घाटे को पाटने के लिए

2,066.36 करोड़ रुपये की शुद्ध उधारी सीमा को अपनी मंजूरी दे दी है। 12,700 करोड़ रु. के बजट अनुमान में से 10,969.80 करोड़ रु. राजस्व व्यय के लिए और 1,730.20 करोड़ रुपये पूंजीगत व्यय के लिए आवंटित किए गए हैं। रंगासामी ने कहा वित्तीय संसाधनों का एक बड़ा हिस्सा वेतन, पेंशन, ऋणों की अदायगी और ब्याज भुगतान जैसे प्रतिबद्ध व्ययों को पूरा करने में जाता है। वित्त वर्ष 2024-2025 के लिए 12,700 करोड़ रुपये के बजट अनुमान में से वेतन के लिए 2,574 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। सरकार ने पेंशन के भुगतान के लिए 1,388 करोड़ रु., ऋण तथा ब्याज के पुनर्भुगतान के लिए 1,817 करोड़ रुपये और बिजली की खरीद के लिए 2,509 करोड़ रुपये निर्धारित किए हैं। सरकार के अन्य प्रमुख व्यय में वृद्धावस्था पेंशन और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के तहत भुगतान, परिवार की महिला मुखियाओं को वित्तीय सहायता, एलपीजी सिलेंडर के लिए 1,900 करोड़ रुपये की सब्सिडी आदि शामिल हैं।

पुडुचेरी में राशन कार्ड धारकों को मुफ्त चावल वितरण बहाल करने की घोषणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुडुचेरी। केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी के मुख्यमंत्री एन रंगासामी ने शुक्रवार को ऐलान किया कि उनकी सरकार चालू वित्त वर्ष से राशन कार्ड धारकों को मुफ्त चावल का वितरण दोबारा शुरू करेगी।

वित्त विभाग का भी दायित्व संभालने वाले रंगासामी ने विधानसभा में वित्त वर्ष 2024-2025 का बजट पेश करते हुए यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि सरकार चालू वित्त वर्ष से सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) की दुकानों पर सब्सिडी पर दालें, चीनी और खाद्य तेल भी वितरित करेगी। रंगासामी ने कहा कि सरकार ने ऑनलाइन माध्यम से सामान्य सेवा केंद्र (सीएससी) के माध्यम से नए राशन कार्ड जारी करने का भी प्रस्ताव रखा है। राशन कार्ड में नाम जोड़ने या हटाने का काम भी सीएससी के माध्यम से किया जाएगा। पूर्व उपराज्यपाल किरण बेदी और कांग्रेस नेता वी नारायणसामी के नेतृत्व वाली तत्कालीन सरकार के बीच मुफ्त चावल योजना समेत कई मुद्दों पर मतभेद होने के बाद से ही केंद्रशासित प्रदेश में राशन की दुकानें 2019 से बंद हैं।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने कहा कि लिंगारेड्डीपलयम में बंद पड़ी पांडिचेरी सहकारी चीनी मिल को एथनॉल और चीनी उत्पादन के लिए निजी भागीदारी के साथ फिर खोला जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने पिछले वित्त वर्ष में कुछ सहकारी समितियों को दिए गए ऋणों को अनुदान में परिवर्तित करने का प्रस्ताव किया है। हालांकि इसमें शर्त है कि समितियां अनुदान में परिवर्तित की जाने वाली राशि का न्यूनतम 10 प्रतिशत खुद सृजित कर पाने में सक्षम हों।

पंचायती राज संस्थाओं की अनुदान राशि बढ़ाई जाए : पानगड़िया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पंचायती राज संस्थाओं के जन प्रतिनिधियों ने 16 वें वित्त आयोग के प्रतिनिधिमंडल के साथ अपनी मांगो और सुझावों को साझा करते हुए पंचायती राज संस्थाओं की अनुदान राशि बढ़ाने की मांग की है। वित्त आयोग के अध्यक्ष अरविंद पानगड़िया ने जनप्रतिनिधियों की मांगों एवं सुझावों पर कहा कि राजस्थान की पंचायती राज व्यवस्था देश में सबसे पुरानी व्यवस्था है। मुझे ख़ुशी है कि आप लोगों में जागरूकता है। ग्रामवासी भी मिलजुलकर ग्रामीण विकास सम्बंधी जरूरतों को पूरा करें। आप अपनी ग्राम पंचायत की वेबसाइट भी बनाएं। आपकी मांगों और सुझावों पर अवश्य विचार किया जाएगा।

जनप्रतिनिधियों ने पौधारोपण के तहत लगाये जाने वाले पौधों की सुरक्षा के लिए ट्री गार्ड एवं नियमित देखभाल के लिए राशि उपलब्ध करवाने के साथ ही पंचायतों की निजी आय बढ़ाने के लिए फलदार एवं मेडिसिनल वृक्षों की उपज सम्बंधी प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित करने, अतिवृष्टि एवं ओलावृष्टि जैसी प्राकृतिक आपदाओं में राहत के लिए अलग से राशि देने, सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट व प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट स्थापित करने, कचरा एकत्रित करने के लिए ट्रैक्टर की व्यवस्था करने, विद्युत बिल राशि की बचत के लिए सौर ऊर्जा पैनल लगवाने, अधिकतर क्षेत्र डार्कजोन में होने के कारण जल संरक्षण की व्यवस्था को प्रभावी बनाने के साथ ही पेयजल आपूर्ति के लिए गाईडलाइन जारी करने, अतिक्रमण हटाने के लिए पंचायत समिति मुख्यालय पर जेसीबी की व्यवस्था करने, ग्राम पंचायत स्तर पर महिला स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए सेनेटरी नेपकीन के उत्पादन व वितरण की व्यवस्था करने, अटल सेवा केन्द्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाने, प्रत्येक ग्राम पंचायत में डिजिटल लाइब्रेरी स्थापित करने की मांग की । पंचायती राज विभाग के शासन सचिव एवं आयुक्त रवि जैन ने सभी का स्वागत करते हुए बैठक की रूपरेखा पर पर प्रकाश डाला। उन्होंने जनप्रतिनिधियों के द्वारा दिये गए सुझावों एवं प्रतिनिधिमंडल के साथ समन्वय स्थापित करते हुए अपना पक्ष प्रभावी तरीके से रखा।

बैठक में वित्त आयोग सदस्य डॉ सोम्या कांत घोष, अजय नारायण झा, डॉ मनोज पांडा, सचिव रित्विक पांडे, संयुक्त सचिव के. के. मिश्रा, संयुक्त निदेशक पी अमृता वर्षिणी,उपनिदेशक आदित्य पंत, सहायक निदेशक अभय मेनन, ज्योति नागरकोटी एवं निजी सचिव कुमार विवेक उपस्थित थे।

बांसवाड़ा में न्यूक्लियर पावर प्लांट को लेकर हिंसा, पुलिस पर पथराव, लाठीचार्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बांसवाड़ा। राजस्थान के बांसवाड़ा में प्रस्तावित न्यूक्लियर पावर प्लांट को लेकर स्थानीय लोगों ने भारी विरोध शुरू कर दिया है। प्लांट के लिए जमीन खाली करवाने गई पुलिस और लोगों के बीच टकराव हो गया है। विरोध कर रहे स्थानीय लोगों ने पुलिस पर पथराव कर दिया तो पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। दरअसल, बांसवाड़ा में बनने वाले न्यूक्लियर पावर प्लांट के लिए सरकार ने अब वहां के रहने वालों को विस्थापित करना शुरू कर दिया है। लेकिन शुक्रवार को जमीन खाली करवाने के लिए पहुंचे अधिकारियों को विरोध का सामाना करना पड़ा। जिसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज कर प्रदर्शनकारियों को वहां से तितर बितर कर दिया।

बांसवाड़ा जिले के छोटी सरवन क्षेत्र में 2800 मेगावाट न्यूक्लियर पावर प्लांट प्रस्तावित है। सरकार ने यहां से जमीन भी अधिग्रहित की है। सरकार का कहना है कि सब को मुआवजा मिल गया है, लेकिन यहां के रहने वाले लोग अभी भी जमीन खाली नहीं कर रहे हैं। जिसके बाद पुलिस प्रशासन अब सख्त कार्रवाई कर रहा है।

शुक्रवार को सैंकड़ों की संख्या में ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन किया और सड़क पर जाम लगा दिया। जिला प्रशासन द्वारा पहले प्रभावितों को नोटिस देकर हटाने की अपील की गई थी, लेकिन इसके बावजूद भी वे लोग अपने स्थान पर डटे रहे। तीन जिलों से भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा और प्रभावितों को जमीन खाली करने के लिए कहा गया था। पावर प्लांट का निर्माण सितंबर महीने से शुरू होने वाला है।

परमाणु बिजली घर का निर्माण कार्य शुरू होने से पहले इस क्षेत्र में आने वाले 6 गांवों बारी, सजवानिया, रेल, खड़िया देव, आडीभीत और कटुम्बी आदि गांव में रहने वाले करीब 3 हजार लोगों को विस्थापित किया जाना है। इन परिवारों को सरकार द्वारा 415 करोड़ रुपए का मुआवजा दिया जा चुका है। इसके बदले में 553 हेक्टेयर जमीन आवाप्त की गई है। इसके साथ ही खड़िया देव में 60 हेक्टेयर जमीन विस्थापित होने वाले लोगों के लिए मकान बनाने के लिए अवाप्त की है।

विस्थापित होने वाले ग्रामीणों की मांग है कि इससे प्रभावित परिवार के सभी युवाओं को यहां रोजगार उपलब्ध कराया जाए और परिवार के हर व्यक्ति को अलग यूनिट मानकर आवास और रोजगार मिले। इसके बाद ही वो यहां से विस्थापित होंगे।

अब जबकि इसका निर्माण कार्य शुरू होने को है इसको लेकर इन गांव में रहने वाले लोगों को विस्थापित करने की प्रक्रिया शुरू हुई तो ग्रामीणों ने इसका विरोध किया और कहा कि उनकी मांगों को अभी पूरा नहीं किया गया है। जब तक उनकी मांगों को पूरा नहीं किया जाएगा तब तक वह विस्थापित नहीं होंगे। इसको लेकर परमाणु बिजली घर के प्रबंधकों द्वारा पुलिस से संपर्क कर उनकी सहायता से लोगों को विस्थापित करने की प्रक्रिया शुरू की गई तो ग्रामीणों ने इसका विरोध करना शुरू कर दिया है।

अंगदान मानवता की सेवा के लिए सर्वोच्च योगदान : खींवसर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि अंगदान मानवता की सेवा एवं समाज के लिए सर्वोच्च योगदान है। जीवनदान से बड़ा कोई पुण्य कार्य नहीं हो सकता। यह गर्व की बात है कि अल्प समय में ही राजस्थान ने अंगदान के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करते हुए कीर्तिमान बनाए हैं। प्रदेश में अंगदान को लेकर जो जनचेतना विकसित हुई है, उससे राजस्थान का गौरव बढ़ा है। अंगदान की ऑनलाइन शपथ में राजस्थान अव्वल है।

खींवसर शुक्रवार को स्वास्थ्य भवन में आयोजित अंगदान जागरूकता अभियान एवं सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अंगदाताओं के परिवारों को सम्मानित करते हुए कहा कि ये परिवार अंगदान के क्षेत्र में रोल मॉडल हैं, जिन्होंने अपार दुःख की घड़ी में अपने परिजन के अंगदान करने का साहसिक फैसला किया है।

चिकित्सा मंत्री ने कहा कि विगत दिनों प्रदेश में अंग प्रत्यारोपण के लिए फर्जी एनओसी का मामला सामने आया तो अंगदान का कार्य प्रभावित हुआ लेकिन राज्य सरकार ने इस मामले में सख्त एक्शन लिया और नई कमेटियों का गठन किया। कई बाधाओं के बावजूद प्रदेश में अंगदान एवं प्रत्यारोपण का अभियान फिर मजबूती से खड़ा हो रहा है। हम इस मुहिम को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए पुरजोर प्रयास सुनिश्चित करेंगे।

अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती शुभ्रा सिंह ने कहा कि राजस्थान में अंगदान का अभियान अब केवल राजकीय कार्यक्रम नहीं होकर जनअभियान बन चुका है। इस अभियान में लगातार बढ़ती जनभागीदारी इस बात का प्रमाण है कि आने वाले समय में राजस्थान अंगदान के क्षेत्र में नई उपलब्धियां हासिल करेगा। उन्होंने बताया कि विगत 6 माह में ही प्रदेश में 6 कैडेवर ट्रांसप्लांट हो चुके हैं जबकि पिछले पूरे वर्ष में 5 ट्रांसप्लांट हुए थे।

श्रीमती सिंह ने कहा कि यह गर्व की बात है कि 3अगस्त,शनिवार को नई दिल्ली में आयोजित होने वाले समारोह में राजस्थान को अंगदान के लिए सर्वश्रेष्ठ आईईसी गतिविधियों हेतु सम्मानित किया जाएगा। साथ ही, प्रदेश के मोहन फाउण्डेशन को अंगदान के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए बेस्ट एनजीओ का अवार्ड प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश को अंगदान में आगे ले जाने के लिए इससे जुड़े सभी अधिकारी, संस्थाएं एवं प्रदेश की जनता साधुवाद की पात्र हैं। जनसहभागिता से ही प्रदेश में इस कार्यक्रम को नए आयाम मिले हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन निदेशक डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने कहा कि यह खुशी की बात है कि व्यापक जनजागरूकता अभियान से अंगदान को लेकर भ्रांतिया एवं मिथक दूर हो रहे हैं और प्रदेश के पिछड़े क्षेत्रों के लोग भी अंगदान की मुहिम से जुड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि अंग मिलने की प्रतीक्षा में जीवन और मौत से संघर्ष कर रहे व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान लाने से बड़ा कोई पुनीत कार्य नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि हम सबको मिलकर ऐसे प्रयास करने चाहिए कि बड़े शहरों के साथ-साथ भविष्य में निचले स्तर तक अंगदान और अंग प्रत्यारोपण का कार्य संभव हो सके।

चिकित्सा मंत्री ने झालावाड़ के किठिया डग निवासी अंगदाता स्व. भूरिया के परिजनों एवं जोधपुर के स्व. विक्रम के परिजनों को अंगदान के लिए सम्मानित किया। साथ ही, धौलपुर निवासी स्व. अजितपाल जी, बाड़मेर निवासी स्व. अनिता के परिजनों को वीसी के माध्यम से सम्मानित किया गया। मध्यप्रदेश के स्व. माणकलाल, गुजरात के स्व. शुक्ला तेजस उपेन्द्र कुमार के परिजनों को डाक द्वारा प्रशस्ति पत्र भेजकर सम्मानित किया। अंगदान की ऑनलाइन शपथ लेने में डूंगरपुर जिले के मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं जिला कार्यक्रम प्रबंध इकाई को प्रथम स्थान, जयपुर प्रथम एवं द्वितीय को दूसरा, सीकर को तीसरा, झुंझुनूं जिले को चतुर्थ स्थान एवं राजसमंद जिले को पांचवां स्थान प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया।

आय से अधिक संपत्ति के मामले में छापे, 22 लाख से अधिक की नकदी मिली

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने नगर परिषद सांचौर के कार्यवाहक आयुक्त योगेश आचार्य के खिलाफ दर्ज आय से अधिक संपत्ति के मामले में शुक्रवार को उसके नौ ठिकानों पर छापे मारे, जहां से 22 लाख से अधिक की नकदी, चार लग्जरी वाहन और संपत्तियों के दस्तावेज बरामद किए गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

ब्यूरो के महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि ब्यूरो मुख्यालय को गोपनीय शिकायत प्राप्त हुई थी कि सहायक प्रशासनिक अधिकारी और नगर परिषद सांचौर के कार्यवाहक आयुक्त द्वारा अपने तथा अपने परिजनों के नाम से भ्रष्टाचार के साधनों द्वारा आय से अधिक संपत्तियां अर्जित की गई है। एसीबी की जोधपुर ग्रामीण/खुफिया शाखा द्वारा शिकायत का गोपनीय सत्यापन किया गया और तथ्यों की पुष्टि होने के बाद आय से अधिक संपत्तियां अर्जित करने का मामला दर्ज किया गया।

सक्षम न्यायालय से तलाशी वारंट लेकर ब्यूरो की विभिन्न टीम ने आज अलसुबह आरोपी के सांचौर, सुमेरपुर-पाली, जोधपुर और जयपुर स्थित नौ विभिन्न ठिकानों पर तलाशी ली। इसके अनुसार आरोपी आचार्य के विभिन्न ठिकानों की तलाशी में 22 लाख से अधिक की नकदी, सात आवासीय/व्यावसायिक भूखंडों के दस्तावेज, चार लग्जरी वाहन, 40 से अधिक मंहगी घड़ियां, सोने चांदी के आभूषण मिले हैं।

राजस्थान के कई इलाकों में भारी बारिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में बीते 24 घंटे के दौरान भारी से बेहद भारी बारिश हुई। बीकानेर जिले के खाजूवाला में सबसे अधिक 19 सेंटीमीटर बारिश हुई। मौसम विभाग ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के जयपुर केंद्र के अनुसार सुबह आठ बजकर 30 मिनट तक पिछले 24 घंटे की अवधि के दौरान सवाई माधोपुर के मलारना डूंगर में 14 सेंटीमीटर, खंडार (सवाई माधोपुर), चौमू (जयपुर) और श्रीमाधोपुर (सीकर) में 12 सेंटीमीटर, जमवारामगढ़ और पावटा (जयपुर) में 11 सेंटीमीटर बारिश हुई। बारिश प्रभावित क्षेत्र के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति रही।

टोंक जिले के बोरखंडी कलां में एक स्थानीय बांध का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया, जिसके बाद निचले इलाकों में पानी भर गया। इसके अनुसार आगामी 24 घंटे के दौरान अजमेर, बीकानेर और जोधपुर संभाग के कई जिलों में मानसून सक्रिय रहने तथा कहीं-कहीं भारी और कहीं अति भारी बारिश की प्रबल संभावना है।

इसके अनुसार आज झारखंड के ऊपर कम दबाव का एक क्षेत्र बन गया है। इसके अगले 48 घंटे में और तीव्र होने तथा मध्यप्रदेश से होकर राजस्थान की ओर आगे बढ़ने की प्रबल संभावना है। इसके प्रभाव से दक्षिण-पूर्वी राजस्थान के कुछ भागों में तीन अगस्त से भारी बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी की प्रबल संभावना है। इसका सर्वाधिक प्रभाव चार-पांच अगस्त को राज्य के दक्षिणी-पूर्वी तथा पश्चिमी भागों में देखने को मिल सकता है।

इस दौरान कोटा, उदयपुर संभाग में चार अगस्त को कहीं-कहीं भारी से अति भारी बारिश तथा एक दो स्थानों पर अत्यंत भारी बारिश (200 मिलीमीटर से अधिक) होने की प्रबल संभावना है।

इसके अलावा जयपुर, अजमेर, जोधपुर और बीकानेर संभाग के कुछ भागों में चार से छह अगस्त के दौरान कहीं-कहीं भारी तथा कहीं-कहीं अति भारी बारिश के आसार हैं।

जावर के युवाओं की रोजगार समस्या का समाधान मध्यस्थता के जरिए होगा : मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान सरकार ने शुक्रवार को कहा कि जावर ग्राम पंचायत के खनन प्रभावित क्षेत्र के युवाओं की रोजगार समस्या का समाधान मध्यस्थता के जरिए करने का प्रयास किया जाएगा। चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने विधानसभा में शून्यकाल में यह जानकारी दी। मंत्री ने कहा, ''उदयपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र की जावर ग्राम पंचायत के खनन प्रभावित क्षेत्र के युवाओं की रोजगार समस्या का खान विभाग द्वारा मध्यस्थता कर समाधान करने का प्रयास किया जाएगा।'' मंत्री, उदयपुर ग्रामीण से विधायक फूल सिंह मीणा द्वारा इस संबंध में ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के माध्यम से उठाये गए मामले का जवाब दे रहे थे। उन्होंने बताया, ''हिन्दुस्तान जिंक की खदान वर्ष 2030 तक वैध है। उदयपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र की तीन ग्राम पंचायतें खनन क्षेत्र में आती हैं। कंपनी को 3620 हेक्टेयर जमीन आवंटित की गई, जिसमें से 1538 हेक्टेयर जमीन वन विभाग की थी।'' खींवसर ने बताया कि गांव के लोगों की सहमति से 'डायवर्सन' कर यह जमीन दी गई थी तथा इसे लेकर कंपनी और ग्रामीणों के बीच रोजगार को लेकर समझौता हुआ था। खींवसर ने बताया कि समझौते के अनुरूप हिन्दुस्तान जिंक ने 'वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर' विकसित किया है, जिसमें प्रशिक्षण के बाद क्षेत्र के युवाओं को कंपनी में रोजगार उपलब्ध करवाया गया।

उन्होंने कहा, ''कोरोना के दौरान वर्ष 2020 में क्षेत्र के 2500 लोग वहां काम कर रहे थे। जबकि, वर्तमान में क्षेत्र के 2700 लोगों को वहां रोजगार मिल रहा है। इस प्रकार, कोरोना के बाद रोजगार में महज 200 की संख्या का ही इजाफा हुआ है।''

मंत्री ने कहा कि एक सप्ताह पहले गांव के लोगों ने खनन गतिविधि को रोकते हुए अधिक रोजगार दिए जाने की मांग की और इस दौरान करीब एक सप्ताह तक धरना दिया गया। इसके बाद हिन्दुस्तान जिंक की याचिका पर उच्च न्यायालय ने धरना हटाने के लिए जिलाधिकारी को निर्देशित किया, जिसके बाद 31 जुलाई को धरना हटा दिया गया।

अब तो जनता को बालाजी ही पानी पिलाएंगे, विधानसभा में छलकी मंत्री की पीड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। विधानसभा में जलदाय मंत्री कन्हैया लाल चौधरी की पीड़ा झलकी, मंत्री ने अपने ही महकमें में व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर कहा कि अभी तक मैंने 40 से अधिक कर्मचारियों को सस्पेंड किया है, अगर निचले स्तर पर सख्ती की गई तो, एक भी अधिकारी कर्मचारी नहीं बचेगा, इस विभाग में इस कदर भ्रष्टाचार है। जल जीवन मिशन में भ्रष्टाचार का जिक्र करते हुए कहा कि बिना पानी योजना बना दी गई, पता ही नहीं उनमें पानी कहां से आएगा, केंद्र सरकार ने मिशन के तहत जो पैसा दिया उसका 20 प्रतिशत ही राज्य सरकार खर्च कर सकी। जलदाय मंत्री विधानसभा में दो दिन चली पेयजल पर चर्चा के बाद जवाब दे रहे थे।

मंत्री ने कहा कि विभाग में तकनीकी कर्मचारियों से लेकर इंजीनियरों के पदों पर करीब 25 हजार पदों पर भर्ती की जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने सदन में घोषणा करते हुए कहा कि आने वाले समय में हेडपंप का कार्य एक ही विभाग के जरिए किया जाएगा, अभी वर्तमान में कहीं पर पंचायती राज विभाग और कहीं पर जलदाय विभाग कर रहा है, आगे से जनप्रतिनिधियों के लिए यह समस्या नहीं होगी। साथ ही विभाग में हेडपंप और ट्यूबवेल की मरम्मत के लिए तकनीकी हेल्पर, जेईएन और एईएन के पदों पर भर्ती की जाएगी। सभी तरह के करीब 25 हजार पदों पर भर्ती होगी। इसका हमने प्रपोजल तैयार कर लिया है।

जलदाय मंत्री ने कहा कि बीसलपुर में पानी की समस्या का स्थाई समाधान करने के लिए ब्राह्मणी नदी से पानी लाने की पूर्ववर्ती भाजपा सरकार में 6000 करोड़ की योजना तैयार हुई थी, लेकिन पिछली कांग्रेस सरकार ने 5 साल तक इस पर कोई ध्यान नहीं दिया। इस योजना का फिर से प्लान तैयार कराया गया है जिस पर करीब 8000 करोड रुपए खर्च होंगे। इस योजना को समय रहते हाथ में लिया जाएगा।

कन्हैयालाल ने कहा कि ईआरसीपी योजना को लेकर जो मध्य प्रदेश से एमओयू किया है, उसमें राजस्थान के हक को नहीं मारा गया है।

बल्कि पूर्ववर्ती सरकार ने आनन फानन में सिर्फ जनता को गुमराह करने के लिए योजना तैयार की थी। अभी हमने जो एमओयू किया है, उसे योजना के तहत 90% पैसा केंद्र सरकार देगी। इस पर जल्द ही काम हाथ में लिया जाएगा विपक्ष के आरोप निराधार हैं।

सीमेंट कंपनी से चोरी गई सवा करोड़ की नकदी कुचामन सिटी से बरामद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चित्तौड़गढ़/डीडवाना। डीडवाना जिला पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। चितौड़गढ़ के निंबाहेड़ा की जेके सीमेंट कंपनी से चोरी हुए एक करोड़ 20 लाख रुपये बरामद किए। यह राशि आरोपी के मामा के कुचामन स्थित घर से बरामद की गई है।

बता दें कि मामला बेहद रौचक है। यह पूरी घटना निंबाहेड़ा में हुई। जहां जेके सीमेंट कंपनी के रुपये कर्मचारी अंकित मोरे ने चोरी किए और अपने मामा के घर छुपा दिए। कंपनी के प्रतिनिधि की तरफ से इस चोरी को लेकर निंबाहेड़ा थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया। इसमें मौलासर निवासी कंपनी के कर्मचारी अंकित मोरे पर चोरी का संदेह जताया और 12 लाख 50 हजार रुपये चोरी होने की रिपोर्ट दी।निंबाहेड़ा पुलिस ने इसकी सूचना मौलासर पुलिस को दी, ताकि अंकित मोरे के घर और उसके परिचितों के यहां तलाशी की जा सके। यहां मौलासर पुलिस ने आरोपी के मामा के कुचामन स्थित घर की तलाशी ली तो पुलिस हैरान रह गई। जो राशि बताई थी, उससे कई गुना ज्यादा राशि एक बैग में मिली।

पुलिस ने इन नोटों को गिना तो एक करोड़ 20 लाख रुपए हुए, जिन्हें मौलासर पुलिस ने जब्त कर लिया।

साथ ही चितौड़गढ़ की निंबाहेड़ा थाना पुलिस को इसकी सूचना भी दी है। रिपोर्ट में राशि 12 लाख 50 हजार चोरी होना ही बताया। लेकिन चोरी हुए थे, एक करोड़ 20 लाख। अब पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अयोध्या की सामूहिक दुष्कर्म पीड़िता के परिजनों से मिले योगी, आरोपियों को सजा दिलाने का भरोसा दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को अयोध्या की सामूहिक दुष्कर्म पीड़िता बच्ची के परिजनों से अपने सरकारी आवास पर मुलाकात की और आरोपियों को कड़ी सजा दिलाने का उनको भरोसा दिया।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, आज लखनऊ में जनपद अयोध्या के बीकापुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ. अमित सिंह चौहान के साथ आए अयोध्या की पीड़ित बच्ची के परिजनों से भेंट की। योगी ने कहा, दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा, उन पर कठोरतम कार्रवाई होगी। बच्ची को हर कीमत पर न्याय दिलाने हेतु हम प्रतिबद्ध हैं। इस पोस्ट में मुख्यमंत्री ने बच्ची के परिजनों से मुलाकात की एक तस्वीर भी साझा की। बाद में एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पीड़ित बच्ची की मां को आश्वस्त किया है कि उन्हें न्याय दिलाने के लिए सरकार उनके साथ खड़ी है और दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री से मिलने के बाद पीड़िता की मां ने संवाददाताओं से कहा कि उनकी बच्ची के साथ दरिंदगी करने वालों के लिए उन्होंने सरकार से फांसी की सजा की मांग की है, इस पर मुख्यमंत्री ने भी आश्वस्त किया कि बच्ची को हर कीमत पर न्याय दिलाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने इस बात को लेकर भी आश्वस्त किया है कि आरोपी समाजवादी पार्टी (सपा) नेता मोईद खान की संपत्तियों की जांच कराई जाएगी और अवैध संपत्तियों पर बुलडोजर चलेगा।

आधिकारिक बयान के अनुसार, अयोध्या पुलिस ने 30 जुलाई को जिले के पूराकलंदर थाना क्षेत्र के भदरसा नगर में बेकरी संचालित करने वाले मोईद खान और उसके कर्मचारी राजू खान को दुष्कर्म के मामले में गिरफ्तार किया। मोईद और राजू खान ने दो महीने पहले नाबालिग के साथ दुष्कर्म किया और इस कृत्य को रिकॉर्ड भी किया। घटना तब प्रकाश में आई जब हाल में मेडिकल जांच में पीड़िता के गर्भवती होने का पता चला। यह दावा किया जाने के बाद कि मोईद खान सपा का सदस्य है, मामले ने राजनीतिक रंग ले लिया है। विधानसभा में योगी आदित्यनाथ ने इस घटना का जिक्र किया और सपा पर निशाना साधा। योगी ने कहा, यह अयोध्या का मामला है। मोईद खान सपा से है और अयोध्या सांसद की टीम का सदस्य है।

भाजपा देश की हालत पाकिस्तान से भी 'बदतर' करने पर तुली हुई है: हेमंत सोरेन

रांची/भाषा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अर्थव्यवस्था को गलत 'नीतियां' अपनाकर 'तबाह' करने का भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर आरोप लगाते हुए शुक्रवार को कहा कि भाजपा देश की हालत ''पड़ोसी देश पाकिस्तान से भी बदतर करने पर तुली हुई है''। मानसून सत्र के अंतिम दिन विधानसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने भाजपा पर धर्म के नाम पर लोगों को बांटकर 'वोट-बैंक की राजनीति' करने का आरोप लगाया। सोरेन ने कहा, देश कठिन दौर से गुजर रहा है, भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की गलत नीतियों के कारण अर्थव्यवस्था खतरे में है। वे देश की हालत पाकिस्तान से भी बदतर बनाने पर तुले हुए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अयोध्या के लोगों ने धार्मिक आधार पर ''देश को बांटने'' के लिए लोकसभा चुनाव में भाजपा को करारा जवाब दिया है। सदन में अपनी टिप्पणियों के खिलाफ भाजपा सदस्यों के विरोध के बीच सोरेन ने कहा कि देश की संपत्तियां धड़ल्ले से बेची जा रही हैं जबकि किसानों की जिंदगी दांव पर लगी हुई है।

नीट-यूजी पर न्यायालय की टिप्पणी केंद्र के रुख की पुष्टि करती है, सत्य की सदैव जीत होती है: प्रधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को कहा कि वर्ष 2024 की राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) में शुचिता का कोई प्रणालीगत उल्लंघन नहीं होने संबंधी उच्चतम न्यायालय की टिप्पणी केंद्र सरकार के रुख की पुष्टि करती है।

प्रश्न पत्र लीक सहित अन्य अनियमितताओं के आरोपों के बीच राष्ट्रीय मेडिकल प्रवेश परीक्षा की आलोचना करने के लिए विपक्ष पर हमला करते हुए मंत्री ने 'एक्स' पर कहा, झूठ के बादल कुछ समय के लिए सच्चाई के सूर्य को छिपा सकते हैं, लेकिन सच्चाई हमेशा जीतती है। उन्होंने कहा कि न्यायालय के निष्कर्ष और फैसले ने उस दुष्प्रचार को सिरे से खारिज कर दिया जिसे प्रसारित किया जा रहा था। शीर्ष अदालत ने शुक्रवार को कहा कि उसने प्रश्नपत्र लीक की चिंताओं के बीच विवादों से घिरी नीट-यूजी परीक्षा को रद्द नहीं किया क्योंकि इसकी शुचिता का कोई प्रणालीगत उल्लंघन नहीं हुआ था। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने 23 जुलाई को सुनाए गए आदेश के विस्तृत कारणों में बताया कि राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) को अपना 'ढुलमुल' रवैया बंद करना चाहिए जो इस साल देखा गया था, क्योंकि यह छात्रों के हित में नहीं है।

'एक्स' पर अपने पोस्ट में प्रधान ने कहा, नीट-यूजी परीक्षा में शुचिता का कोई प्रणालीगत उल्लंघन नहीं होने और इसलिए दोबारा परीक्षा नहीं कराने पर उच्चतम न्यायालय की टिप्पणी सरकार के रुख की पुष्टि करती है। सरकार 'छेड़छाड़ मुक्त, पारदर्शी और त्रुटिविहीन परीक्षा प्रणाली के प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि इसे सुनिश्चित करने के लिए विशेषज्ञों की उच्च-स्तरीय समिति की सिफारिशों को प्रस्तुत किए जाने के बाद जल्द से जल्द लागू किया जाएगा।

दक्षिण बंगाल में भारी बारिश, अभी और ज्यादा बारिश होने की संभावना

कोलकाता/भाषा। क्षेत्र में सक्रिय मानसून के कारण शनिवार तक दक्षिणी पश्चिम बंगाल में कुछ जगहों पर और ज्यादा बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बर्द्धमान, पानागढ़ और श्रीनिकेतन में शुक्रवार सुबह साढ़े आठ बजे तक 24 घंटों में लगभग 200 मिमी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने अपने पूर्वानुमान में पुरुलिया, पश्चिम बर्द्धमान और बीरभूम में शनिवार सुबह तक भारी बारिश तथा कोलकाता में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना जताई है। कोलकाता में पिछले 24 घंटे के दौरान 46 मिमी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, बर्द्धमान और श्रीनिकेतन में सबसे अधिक 192 मिमी बारिश दर्ज की गई

ओडिशा में और अधिक बारिश की संभावना

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा में निकटवर्ती पश्चिम बंगाल के गंगा के मैदानी इलाकों और झारखंड में निम्न दबाव के क्षेत्र के कारण और अधिक बारिश होने की संभावना है। आईएमडी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। चक्रवाती परिसंचरण के कारण पश्चिम बंगाल में गंगा के मैदानी इलाकों और उससे सटे झारखंड में कम दबाव का क्षेत्र बन गया है। संबंधित चक्रवाती परिसंचरण समुद्र तल से लगभग 7.6 किमी ऊपर तक है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अपने नवीनतम बुलेटिन में बताया कि चक्रवाती परिसंचरण के पश्चिम-उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है तथा अगले 24 घंटों में इसकी स्थिति और अधिक स्पष्ट हो पाएगी। राज्य सरकार ने शुक्रवार सुबह साढे पाँच बजे से अगले 24 घंटों में झारसुगुड़ा, सुंदरगढ़, क्योंझर, संबलपुर, देवगढ़ और बारगढ़ जिलों में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा की चेतावनी जारी की है। उन्होने बताया कि अगले पांच दिनों में गरज और चमक के साथ व्यापक रूप से हल्की से मध्यम वर्षा होने की भी संभावना है। हालांकि, एक वरिष्ठ अधिकारी ने चक्रवाती परिसंचरण के ओडिशा से पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर बढ़ जाने के कारण शनिवार से बारिश की तीव्रता कम होने की उम्मीद जताई है।

अदालत ने दूसरी बेटी को जन्म देने पर पत्नी की हत्या करने के जुर्म में पति को सुनाई मौत की सजा

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर की एक अदालत ने एक व्यक्ति को दो साल पहले अपनी पत्नी की चाकू घोंपकर हत्या करने और छह वर्षीय बेटी की गला रेतकर हत्या करने की कोशिश करने के अपराध में मौत की सजा सुनाई है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, दोषी संजीत दास (46) ने नौ जून, 2022 को इस अपराध को अंजाम दिया था। अभियोजन पक्ष के अनुसार, उसने भुवनेश्वर के घाटिकिया इलाके में स्थित घर पर पत्नी सरस्वती की 33 बार चाकू घोंपकर हत्या कर दी थी। निजी अस्पताल में हेड नर्स के तौर पर काम करने वाली सरस्वती ने हत्या से कुछ दिन पहले ही दूसरी बेटी को जन्म दिया था। अभियोजन पक्ष के अनुसार, दास ने अपनी पहली बेटी (6) का भी गला रेत दिया था, लेकिन वह बच गई। दास को घटना के अगले दिन गिरफ्तार कर लिया था और फिर अक्टूबर, 2022 में उसके खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया गया था। भुवनेश्वर की द्वितीय अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश बंदना कार की अदालत ने फैसला सुनाते हुए इस अपराध को 'दुर्लभतम' श्रेणी में रखा।

नीट विवाद पर नड्डा ने कहा, बीमारी के कारण शरीर को नहीं मारा जाता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) में प्रवेश से जुड़ी कुछ खामियों की वजह से पूरी प्रक्रिया को कमतर नहीं आंका जाना चाहिए।

राज्यसभा में सदन के नेता और सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष ने नीट का बचाव करते हुए कहा कि इसके लागू होने से पहले चिकित्सा शिक्षा एक खुला कारोबार बन गया था और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की सीटें 8 से 13 करोड़ रुपए तक में बेची जाती थीं। उच्च सदन में नीट और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) को समाप्त करने के प्रावधान वाले एक गैर सरकारी संकल्प पर चर्चा में हस्तक्षेप करते हुए नड्डा ने यह भी कहा कि नीट एक बहुत मजबूत तंत्र है और यह भारत के नौजवानों को चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में लाने के लिए बहुत तरीके से तैयार किया गया है।

द्रमुक के एम मोहम्मद अब्दुल्ला ने आसन की अनुमति से शिक्षा को समवर्ती सूची से हटाकर राज्य सूची में डालने के प्रावधान वाले गैर सरकारी संकल्प को चर्चा के लिए पेश किया। इसी संकल्प में नीट-यूजी और एनटीए को समाप्त करने का प्रावधान है। नड्डा ने कहा, बीमारी के कारण शरीर को नहीं मारा जाता है। इसलिए नीट के अंदर और नीट के माध्यम से चलने वाली प्रक्रिया में प्रवेश संबंधी कुछ चीज आई है। यह बहुत बड़ा मजबूत तंत्र है। यह भारत के नौजवानों को चिकित्सा शिक्षा में लाने के लिए बहुत तरीके से तैयार किया गया है। कोरोना महामारी के खिलाफ देश में चलाए गए टीकाकरण अभियान का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि भारत के अंदर जितने भी तंत्र मौजूद हैं, वह बहुत ही मजबूत हैं। उन्होंने कहा, इस तरीके से हम नेट को कमतर ना आंके। यह बहुत अच्छा सिस्टम है। गांव के लोगों को चिकित्सा शिक्षा में लाने का बहुत बड़ा माध्यम है। इसलिए इसके बारे में जब हम चर्चा करें तो इसकी बुनियादी जो भावना थी उसको नुकसान न पहुंचाएं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री के रूप में उनके पहले कार्यकाल के दौरान नीट लाने से पहले चिकित्सा शिक्षा में भ्रष्टाचार व्याप्त था। उन्होंने कहा, चिकित्सा शिक्षा व्यवसाय का अड्डा बन गई थी। जब मैं स्वास्थ्य मंत्री था और नीट ला रहा था, तो स्नातकोत्तर की एक सीट 8-8 करोड़ रुपए में बेची गई थी और अगर आपको रेडियोलॉजी जैसी विकल्प चुनना होता था तो यह राशि 12-13 करोड़ रुपए थी।

आरक्षण को नौवीं अनुसूची में शामिल करने के मुद्दे पर केंद्र संसद को गुमराह कर रहा: तेजस्वी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार ने बिहार में वंचित जातियों के लिए बढ़ाए गए आरक्षण को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल करने के मुद्दे पर संसद को गुमराह किया, ताकि वह कानूनी जांच पड़ताल से बच सके।

बिहार में महागठबंधन सरकार ने पिछले साल केंद्र से राज्य सरकार की नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण को 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 65 प्रतिशत किए जाने की व्यवस्था को नौवीं अनुसूची में शामिल करने का आग्रह किया था। उच्चतम न्यायालय ने 1992 में पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत तय कर दी थी। यादव ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि राजद के राज्यसभा सदस्य एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता मनोज कुमार झा ने हाल ही में इस संबंध में सवाल उठाया था। यादव ने आरोप लगाया, केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री बी.एल. वर्मा ने 31 जुलाई को अपने लिखित जवाब में स्पष्ट तौर पर कहा कि संविधान की नौवीं अनुसूची में बढ़ा हुआ आरक्षण शामिल करना राज्य सरकार के अधिकार क्षेत्र में आता है। केंद्रीय मंत्री ने गलत और गुमराह करने वाला जवाब दिया।

उन्होंने सदन को गुमराह किया। राजद नेता ने कहा कि मामलों को नौवीं अनुसूची में शामिल करना केंद्र की जिम्मेदारी है और इसीलिए महागठबंधन सरकार ने केंद्र सरकार से इसके लिए अनुरोध किया था।

क्वार्टर फाइनल से पहले ऐसी जीत जरूरी थी : भारतीय हॉकी कप्तान हरमनप्रीत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पेरिस/भाषा। ऑस्ट्रेलिया को आखिरी पूल मैच में 3 . 2 से हराने के बाद भारतीय हॉकी कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि क्वार्टर फाइनल से पहले टीम को इस तरह की जीत की जरूरत थी। भारत ने 1972 म्युनिख ओलंपिक के बाद पहली बार ओलंपिक में ऑस्ट्रेलिया को हराया।

दो गोल करने वाले हरमनप्रीत ने कहा, ''यह महत्वपूर्ण मैच था। हमें क्वार्टर फाइनल से पहले ऐसी जीत की जरूरत थी। हमने शुरू ही से उन पर दबाव बनाए रखा। ऑस्ट्रेलिया को हराना गर्व का पल है। उन्होंने कहा, हमने क्वार्टर दर क्वार्टर रणनीति बनाई। हमेशा कहते हैं कि ऑस्ट्रेलिया बड़ी टीम है लेकिन हम उस मानसिकता से उतरे ही नहीं। हमारे लिए यह बड़ी जीत है।

हरमनप्रीत ने कहा कि अब आगे टीम को और चौकस होकर खेलना होगा और किसी गलती की गुंजाइश नहीं है। उन्होंने कहा, अब आगे कोई भी गलती नहीं करनी है। हम हर बड़े टूर्नामेंट में बड़े मैच जीतने की कोशिश करते हैं और भारतीय हॉकी की गौरवशाली विरासत को यूं ही आगे बढाने का प्रयास रहेगा। कोई भी मैच परफेक्ट नहीं होता। हमें गेंद पर नियंत्रण पर और काम करना होगा।

नगा होहो ने केंद्र से नगा मुद्दे के स्थायी समाधान के लिए 'ईमानदार, दृढ़ प्रयास' का आग्रह किया

कोहिमा/भाषा। नगा होहो ने केंद्र से नगा राजनीतिक मुद्दे के स्थायी समाधान के लिए ईमानदार, दृढ़ और ठोस प्रयास करने का आग्रह किया है। अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर और नगालैंड तथा म्यांमा के कुछ हिस्सों में फैले नगाओं के शीर्ष निकाय नगा होहो ने बृहस्पतिवार को दीमापुर में 2024-28 के कार्यकाल के लिए अपनी पहली संघीय सभा के दौरान यह बात कही।

होहो के मीडिया प्रकोष्ठ द्वारा जारी एक बयान में कहा गया, भारत सरकार को नगा मुद्दे का स्थायी समाधान निकालने के लिए ईमानदार, दृढ़ और ठोस प्रयास करना चाहिए, जो सभी हितधारकों के लिए स्वीकार्य, समावेशी और टिकाऊ हो।

इसमें कहा गया है कि 25 जुलाई, 1997 को पहले संघर्ष विराम समझौते पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद से पिछले 27 वर्षों से नगाओं और भारत सरकार के बीच शांति वार्ता जारी है।

उसने कहा कि इसके बाद, भारत सरकार ने विभिन्न चरणों में नगा समूहों के साथ समझौते किए हैं, जिनमें सबसे उल्लेखनीय 3 अगस्त, 2015 को रूपरेखा समझौता और 17 नवंबर, 2017 को सहमत स्थिति है।

मेरे खिलाफ ईडी की छापेमारी की तैयारी, खुले दिल से इंतजार कर रहा हूं: राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को दावा किया कि सदन में चक्रव्यूह वाले भाषण के बाद उनके खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी की तैयारी हो रही है। उन्होंने यह भी कहा कि वह ईडी के लोगों का खुले दिल से इंतजार कर रहे हैं तथा उन्हें वह अपनी तरफ से चाय- बिस्कुट पेश करेंगे।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राहुल गांधी के इस दावे को लेकर कहा कि वायनाड से सांसद के रूप में अपनी जवाबदेही से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए वह एक नई कहानी गढ़ रहे हैं। राहुल गांधी 2019 और 2024 के लोकसभा चुनावों में वायनाड से चुने गए थे। उन्होंने इस बार वायनाड के साथ ही रायबरेली से भी चुनाव लड़ा था और दोनों सीटों पर जीत दर्ज की थी। बाद में उन्होंने वायनाड सीट छोड़ दी। कांग्रेस ने घोषणा की है कि कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा वायनाड से उपचुनाव लड़ेंगी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने सोशल मीडिया मंच पोस्ट किया, जाहिर है कि '2 इन 1' को मेरा चक्रव्यूह वाला भाषण अच्छा नहीं लगा। ईडी के अंदरूनी सूत्रों ने बताया है कि छापेमारी की तैयारी हो रही है। मैं ईडी का दिल खोलकर इंतजार कर रहा हूं। मेरी तरफ से चाय और बिस्कुट।

बिहार में खुद को सेना का जवान बताने वाला व्यक्ति विस्फोटकों के साथ गिरफ्तार

बेगूसराय (बिहार)/भाषा। बिहार के बेगूसराय जिले में खुद को सेना का जवान बताने वाले एक व्यक्ति को शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया जिसके पास से बड़ी मात्रा में विस्फोटक पदार्थ बरामद किए गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। बेगूसराय के पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार ने बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान खोरमपुर इलाके के निवासी राज किशोर यादव के रूप में की गई है। उन्होंने कहा, पुलिस के एक दल को सूचना मिली थी कि यादव, जो खुद को मणिपुर में तैनात सेना का जवान होने का दावा करता है, कुछ आपत्तिजनक वस्तुएं ले जा रहा है। उसे लोहिया नगर इलाके में पकड़ा गया। कुमार ने कहा, कुल मिलाकर जिलेटिन की 75 छड़ें और इतनी ही संख्या में डेटोनेटर'' यादव के पास से बरामद किए गए।

मैं खेल जारी रखूंगी लेकिन थोड़े समय के ब्रेक के बाद: सिंधू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पेरिस/भाषा। भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधू ने शुक्रवार को कहा कि वह ओलंपिक खेलों से प्री क्वार्टर फाइनल में बाहर होने के बाद संक्षिप्त ब्रेक लेंगी क्योंकि वह अपने करियर की 'सबसे कड़ी हार में से एक' से उबर रही हैं लेकिन उन्होंने अपने आगे के सफर का 'सावधानीपूर्वक' मूल्यांकन करने के बाद खेल जारी रखने का वादा किया।

रियो ओलंपिक 2016 में रजत और टोक्यो ओलंपिक 2020 में कांस्य पदक जीतने वाली सिंधू चीन की दुनिया की नौवें नंबर की खिलाड़ी ही बिंग जियाओ से सीधे गेम में हारने के बाद पेरिस ओलंपिक से बाहर हो गईं।

सिंधू ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, अपने भविष्य के बारे में मैं स्पष्ट होना चाहती हूं: मैं खेलना जारी रखूंगी, हालांकि थोड़े समय के ब्रेक के बाद। मेरे शरीर और उससे भी महत्वपूर्ण बात, मेरे दिमाग को इसकी जरूरत है। हालांकि मैं आगे की यात्रा का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करने की योजना बना रही हूं और जिस खेल से मैं बहुत प्यार करती हूं, उसे खेलने में ज्यादा आनंद ढूंढूंगी।

उन्होंने लिखा, यह हार मेरे करियर की सबसे कठिन हार में से एक है। इसे स्वीकार करने में समय लगेगा लेकिन जैसे-जैसे जीवन आगे बढ़ेगा, मुझे पता है कि मैं इसे स्वीकार कर लूंगी।

भारत की शीर्ष खिलाड़ियों शामिल इस 29 वर्षीय ने कहा कि खेलों के लिए उनकी तैयारी आदर्श नहीं थी लेकिन यहां आने के बाद उन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया। उन्होंने कहा, पेरिस 2024 की यात्रा एक संघर्ष थी जिसमें दो साल तक चोट से जूझना और खेल से लंबे समय तक दूर रहना शामिल था। इन चुनौतियों के बावजूद यहां खड़े होकर और तीसरे ओलंपिक में अपने अद्भुत देश का प्रतिनिधित्व करते हुए मैं वास्तव में धन्य महसूस करती हूं।

सिंधू ने कहा, मैं इस स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि एक पीढ़ी को प्रेरित करने के लिए बहुत भाग्यशाली हूं। मेरी टीम और मैंने पेरिस 2024 के लिए अपना सब कुछ झोंक दिया, बिना किसी पछतावे के कोर्ट पर सब कुछ किया।

हैदराबाद की यह खिलाड़ी भारत की सबसे सफल खिलाड़ियों में से एक हैं जिन्होंने एक स्वर्ण और दो रजत सहित पांच विश्व चैंपियनशिप पदक जीते हैं। वह दो बार की ओलंपिक पदक विजेता के अलावा राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों की कई बार की पदक विजेता भी हैं।

टी20 से अगर आक्रामक टेस्ट क्रिकेटर निकलेंगे तो मुझे कोई शिकायत नहीं होगी : सहवाग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के पूर्व बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने कहा कि टी20 क्रिकेट से अगर आक्रामक टेस्ट खिलाड़ी उभरता है तो उन्हें कोई शिकायत नहीं होगी क्योंकि ऐसे बल्लेबाज दर्शकों को स्टेडियम खींचने में सफल होंगे।

भारत के सबसे सफल टेस्ट सलामी बल्लेबाजों में शामिल सहवाग को दिल्ली प्रीमियर लीग के शुरुआती सत्र का ब्रांड दूत बनाया गया है। उन्होंने कहा कि आप खेल के छोटे प्रारूप की तरफ आकर्षित होने का दोष युवाओं पर नहीं मढ़ सकते क्योंकि यह वित्तीय तौर व्यावहारिकता भी प्रदान करता है। सहवाग ने लीग से जुड़े एक कार्यक्रम में कहा, इंग्लैंड जिस तरह से टेस्ट क्रिकेट खेल रहा है, पांच रन प्रति ओवर की दर से रन बना रहा है। हमारे खेलने के दिनों में ऑस्ट्रेलिया लगभग चार रन प्रति ओवर की दर से रन बनाता था। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि यदि आप आक्रमण कर सकते हैं तो आप अपनी टीम को टेस्ट मैच जीतने के अधिक मौके देते हैं। सहवाग से जब पूछा गया कि क्या जरूरत से ज्यादा टी20 लीग के आयोजन से युवा लाल गेंद प्रारूप से दूर हो रहे हैं तो उन्होंने कहा, देखिए, मेरा बड़ा बेटा 17 साल का है और उसने दिल्ली अंडर 16 के लिए तीन दिवसीय क्रिकेट खेला है, लेकिन ऐसे बहुत से लड़के हैं जो उस मौके का इंतजार कर रहे होंगे। जब हम 18 साल के थे तो आईपीएल नहीं था।

सुविचार

कदर होती है इंसान की जरुरत पड़ने पर ही, बिना जरुरत के तो हीरे भी तिजोरी में रहते है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

नरमी के हकदार नहीं धोखेबाज

छल-कपट और जबर्दस्ती धर्मांतरण के कई मामले सामने आने के बाद उत्तर प्रदेश का विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध (संशोधन) अधिनियम, 2024 एक मिसाल बन सकता है, जिसमें उम्रकैद तक के प्रावधान किए गए हैं। अब तो हर महीने ऐसे मामले सामने आ रहे हैं, जिनमें किसी महिला को धोखा देकर या उसका धर्मांतरण करवाकर शादी करना पाया गया। जब तक महिला को असलियत पता चली, बहुत देर हो चुकी थी। कुछ मामलों में तो रिश्तों का अंत बहुत भयानक तरीके से हुआ। छल-कपट, धोखा, जबर्दस्ती जैसी कोशिशें हर दृष्टि से निंदनीय हैं। कोई व्यक्ति नहीं चाहता कि उसके साथ लेनदेन, कारोबार, दोस्ती या किसी भी काम में धोखा हो। हर किसी से उम्मीद की जाती है कि वह अपने मामलों में पाक-साफ, सच्चा और ईमानदार हो। क्या यही उम्मीद उस समय नहीं की जानी चाहिए, जब दो लोग हमसफर बनने का फैसला करें? कुछ 'बुद्धिजीवी' उत्तर प्रदेश के इस कानून की यह कहते हुए आलोचना कर रहे हैं कि इसके प्रावधान ज्यादा ही सख्त हैं। क्या उनके पास इस सवाल का जवाब है कि ऐसे किसी मामले में पीड़ित महिला को इन्साफ कैसे मिलेगा? छल-कपट, धोखा, असल पहचान छिपाना और जबर्दस्ती धर्मांतरण करवाकर शादी करने के कई मामले तो इसलिए भी सामने नहीं आते, क्योंकि पीड़ित महिलाएं खुद पर कई तरह के दबाव महसूस करती हैं। उनके लिए अपने मां-बाप के पास लौटना आसान नहीं होता। सख्त कानून के अभाव में उन्हें इन्साफ मिलने का भी भरोसा नहीं होता। आखिर कोई पीड़िता जाए तो कहां जाए? उप्र में यह कानून उन्हें ताकत देगा। होना तो यह चाहिए कि कोई भी बेटी शादी जैसे मामले में धोखे की शिकार न हो, लेकिन मंगल कामनाएं करने मात्र से तो अपराध नहीं रुकते। जब तक अपराधियों को कठोर दंड नहीं मिलेगा, उनका दुस्साहस बढ़ता रहेगा।

यह एक कड़वी हकीकत है कि कई महिलाओं के साथ इस किस्म का धोखा हो चुका है। इनमें सामान्य शिक्षित से लेकर उच्च शिक्षित महिलाएं भी हैं। उनके साथ फर्जी पहचान के आधार पर रिश्ता जोड़ा गया। उसके बाद दबाव बनाकर शादी की गई। जब असलियत सामने आई, तब पीड़िता को एहसास हुआ कि उसके साथ बहुत बड़ा धोखा हो गया! अब वह क्या करे? अगर मां-बाप और रिश्तेदारों को आपबीती बताए तो यह भी सुनने को मिलता है कि तुमने ही अपनी मर्जी से शादी की थी। ऐसे मामलों में पीड़िता मानसिक रूप से बहुत परेशान रहती है। जो शख्स उसे धोखा देता है, वह पहले ही पूरी साजिश रच चुका होता है। प्राय: वह उसकी जमा-पूंजी ले उड़ता है। यही नहीं, कई मामलों में तो आपत्तिजनक तस्वीरें खींचने और वीडियो रिकॉर्ड करने तक की बातें सामने आई हैं, ताकि यह कहते हुए पीड़िता पर दबाव बना सके कि अगर पोल खोली तो यह सामग्री इंटरनेट पर प्रसारित कर दी जाएगी। ऐसे ज्यादातर मामलों में एक बात सबमें मिलती है, वह है- शादी के लिए लुभाना। इसके लिए अपराधी तरह-तरह के हथकंडे अपनाता है। वह प्रेम का झूठा नाटक करता है। कई जगह तो ऐसा देखा गया कि एक ही व्यक्ति दो या इससे ज्यादा महिलाओं को धोखा दे रहा था। उत्तर प्रदेश के सीतापुर जिले में एक ऐसा मामला सामने आया था, जिसमें एक युवक ने युवती को अपने प्रेमजाल में फंसाया, मंदिर में शादी की, एक साल तक उसका शोषण किया। जब युवती ने बच्चे को जन्म दिया, तब उसे बताया कि वह असल में कौन है! ऐसे धोखेबाज किसी किस्म की नरमी के हकदार नहीं हैं। जब वे कठोर कानून से दंडित होंगे तो ऐसी मानसिकता रखने वाले अन्य लोगों को भी सबक मिलेगा। देश में इस तरह की घटनाओं की एक वजह अपने धर्म और संस्कृति से दूर होना भी है। हमारे ऋषियों ने विवाह करने से पूर्व गौत्र टालने का जो नियम बनाया, अगर उसी पर ठीक तरह से अमल कर लें तो संबंधित व्यक्ति की 'सच्चाई' सामने आ सकती है। बड़े-बुजुर्ग रिश्ता तय करने से पहले संबंधित व्यक्ति के पिछले चार पुरखों का नाम मालूम करते थे। अपने स्तर पर पूरी 'छानबीन' करने के बाद ही बात आगे बढ़ाते थे। आज कोरी भावुकता और फिल्मी प्रेम कहानियां ज्यादा हावी हैं, जिसके नतीजे सबके सामने हैं।

ट्वीटर टॉक

भाजपा सरकार ने यमुना जल समझौते को लेकर राजस्थान के साथ धोखा किया है। राजस्थान के हितों पर हरियाणा के सामने सरेंडर किया है। आज राजस्थान विधानसभा में यमुना जल समझौते में शेखावाटी की जनता से हुए धोखे की सच्चाई सामने रखी।

-गोविंद सिंह डोटासरा

भारतीय राष्ट्रीय ध्वज 'तिरंगा' का प्रारूप तैयार करने वाले, स्वाधीनता सेनानी श्री पिंगली वैंकेया जी की जयंती पर सविनय नमन। उनके इस महती कार्य से राष्ट्र की जन भावनाएं संगठित हुई, स्वतंत्रता के राष्ट्रीय संघर्ष को बल मिला।

-ओम बिरला

आज नई दिल्ली में भीलवाड़ा सांसद व भाजपा प्रदेश महामंत्री दामोदर अग्रवाल और देवनारायण बोर्ड अध्यक्ष व प्रदेश महामंत्री ओमप्रकाश भड़ाना से स्नेहपूर्ण मुलाकात हुई। नवदायित्व की शुभकामनाओं के लिए आपका हार्दिक धन्यवाद!

-मदन राठौड़

प्रेरक प्रसंग

धर्म का मर्म

लाहौर में आयोजित दरबार में महाराजा रणजीत सिंह जी का राजतिलक समारोह हो रहा था। जब उन्हें 'महाराजा' शब्द से संबोधित किया गया तो उन्होंने कहा, 'मैं राजा नहीं, सबका सेवक हूं। महाराजा तो वह ऊपर वाला है। मुझे मेरे नाम से ही पुकारो।' इसके बाद रस्म के मुताबिक उनके सिर पर हीरों का हार रखा जाना था। लेकिन उन्होंने हीरों से जड़ित ताज पहनने से भी इनकार कर दिया। परंपरानुसार उनके नाम पर 'महाराजा रणजीत सिंह सिक्का' चलाने का अवसर आया। लेकिन उन्होंने कहा यह सिक्का मेरे नाम पर नहीं, गुरुनानक देव जी महाराज के नाम पर चलाया जाना चाहिए और तब पहली बार नानकशाही सिक्का चलाया गया। रणजीत सिंह ने न्याय को सर्वोपरि धर्म घोषित कर प्रत्येक नागरिक को निष्पक्ष न्याय और आवश्यक सुविधाएं दिए जाने का आदेश जारी किया। वे धर्म का असली मर्म समझते थे।

सामयिक

आरक्षण के भीतर आरक्षण की व्यवस्था का अहम फैसला

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

सुप्रीम कोर्ट ने अनुसूचित जातियों-जनजातियों यानी एससी-एसटी समुदाय में आरक्षण के भीतर आरक्षण का रास्ता साफ करके आरक्षण की व्यवस्था को तार्किक, न्यायसंगत, समानतापूर्ण बनाने का सराहनीय कार्य किया है। न्यायालय के इस तरह के फैसले मिसाल ही नहीं, मशाल बन कर सामने आ रहे हैं, जिससे राष्ट्र की विसंगतियों एवं विडम्बनाओं से मुक्ति की दिशाएं उदघाटित हो रही है। यह फैसला कई बिल्कुल अलग-अलग वजहों से अहम माना जा रहा है। क्योंकि बड़ा सच यह है कि ओबीसी समाज की तरह एससी-एसटी समुदाय में भी कई जातियों की आर्थिक-सामाजिक स्थिति न केवल कहीं कमजोर है, बल्कि उन्हें अपने ही वर्ग की अन्य जातियों से भेदभाव का भी सामना करना पड़ता है। यह एक ऐसी सच्चाई है, जिससे कोई इन्कार नहीं कर सकता। यह भी एक तथ्य है कि एससी-एसटी समुदाय में कई जातियां ऐसी हैं, जिन्हें आरक्षण का न के बराबर लाभ मिला है। ऐसा इसीलिए हुआ है, क्योंकि आरक्षण का अधिक लाभ इन वर्गों की अपेक्षाकृत समर्थ जातियां उठाती हैं। यही स्थिति ओबीसी में है। कई अति पिछड़ी जातियों तक आरक्षण का लाभ नहीं पहुंचा है। राजनीतिक एवं संवैधानिक विसंगतियों के कारण ऐसा होता रहा है।

सुप्रीम कोर्ट की सात सदस्यीय संविधान पीठ ने जहां छह-एक के बहुमत से एससी-एसटी आरक्षण में कोटे के भीतर कोटे को संविधानसम्मत बताया, वहीं चार न्यायाधीशों ने इन वर्गों के आरक्षण में उसी तरह क्रीमी लेयर की व्यवस्था लागू करने की भी आवश्यकता जताई, जैसी ओबीसी आरक्षण में है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने इस फैसले से 2004 के पांच सदस्यीय संविधान पीठ के फैसले को पलट दिया, जिसमें कहा गया था कि एससी-एसटी समुदाय एक जैसा है और उनकी विभिन्न जातियों में कोई भेद नहीं किया जा सकता। यह वस्तुस्थिति नहीं थी, इस विसंगति को सुधार कर सुप्रीम कोर्ट ने न्यायसंगत उपक्रम किया है। अब राज्यों एवं केन्द्र सरकार को बहुत सावधानी से कदम उठाने होंगे। इस ताजे फैसले के बाद अनेक राज्यों में जातिगत गणना की होड़ शुरु हो सकती है एवं राजनीति दलों में आरक्षण का मुद्दा नये आक्रामक रूप में उभर सकता है। लेकिन एक आदर्श समता, समानता एवं संतुलनमूलक समाज-व्यवस्था को निर्मित करने की दिशा में कोर्ट का यह फैसला अहम है।

संविधान पीठ के अनुसार, आरक्षण का मुख्य मकसद आर्थिक और सामाजिक समानता लाना है, पर इसके लिए शहर और गांव की सामाजिक हकीकत में अंतर के साथ आर्थिक पहलुओं को ध्यान में रखना जरूरी है। एससी समुदाय में भी दो बड़े वर्ग है, जिनमें गहरा फासला है। बड़े अफसरों और बड़े वकीलों के बच्चों की तुलना में मैला ढोने वाले बच्चों से करना कैसे न्यायसंगत हो सकता है? इसलिए पीछे रह गई जातियों को मुख्यधारा में लाने के लिए ओबीसी की तर्ज पर एससी में भी कोटे के भीतर कोटे को न्यायाधीशों ने सांविधानिक माना है। आज के समय में इस फैसले की जरूरत को समझा जा सकता है, लेकिन समस्या यह है कि देश में 140 करोड़ जनसंख्या की सामाजिक स्थिति और आर्थिक हैसियत के आंकड़े स्पष्ट तौर पर उपलब्ध नहीं है। ऐसी स्थिति में जनसंख्या के आधार पर आनुपातिक आरक्षण की मांग बढ़ने से सामाजिक और राजनीतिक विद्वेष बढ़ सकता है। क्या इस फैसले से राज्यों में मनमानी बढ़ सकती है? अब नौजवानों से जुड़े अनेक मुद्दों जैसे रोजगार, कोचिंग, अग्निवीर, नीट, इंटर्नशिप, नकल और शिक्षा पर बहस के बीच इस फैसले से क्रीमीलेयर का मुद्दा फिर गरमा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने एससी-एसटी आरक्षण में उपवर्गीकरण करने का अधिकार राज्य सरकारों को भी दे दिया है। इस अधिकार का दुरुपयोग होने की आशंका भी है, क्योंकि सत्तारूढ़ राजनीतिक दल वोट बैंक बनाने के लालच में एससी-एसटी जातियों का मनमाना उपवर्गीकरण कर सकते हैं। राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि आरक्षण सामाजिक न्याय का जरिया है, न कि वोट बैंक की राजनीति का हथियार। वैसे भी अब तक देश में आरक्षण वोट बैंक को सुदृढ़ बनाने का हथियार बना रहा है और राजनीतिक दल इसका अनुचित लाभ उठाते हुए अपेक्षित समुदायों तक आरक्षण का लाभ नहीं पहुंचने दिया।

सुप्रीम कोर्ट के नये फैसले के बाद स्थितियां उग्र एवं आक्रामक होने के साथ प्रभावी भी होगी। इसलिये अब आरक्षण का कई पहलुओं से मूल्यांकन जरूरी हो गया है। वैसे फैसले में साफ कर दिया गया है कि किसी भी तरह का उप-वर्गीकरण स्पष्ट और भरोसेमंद डेटा के ही आधार पर ही किया जा सकता है। देखा जाए तो इस शर्त के जरिए फैसले का संकीर्ण एवं स्वार्थपूर्ण राजनीतिक हितों के लिए इस्तेमाल करने की संभावित कोशिशों पर अंकुश लगाने का प्रयास किया गया है। एससी, एसटी, ओबीसी, दिव्यांग, महिला, ईडब्ल्यूएस जैसी सभी वर्गों के आरक्षण को जोड़ा जाए, तो 99 फीसदी आबादी आरक्षण के दायरे में आ जाती है। चारों राज्यों में होने वाले चुनावों के मद्देनजर देखें, तो इस फैसले के बाद आरक्षण की राजनीति के साथ अदालतों में मुकदमेबाजी भी बढ़ सकती है, जिसका समाधान सूझबूझ एवं लोकतांत्रिक तरीके से करना होगा। अनुच्छेद-19 के तहत नागरिकों को पूरे देश में व्यवसाय और रोजगार का अधिकार है, इसलिए आरक्षण के माध्यम से न्याय और समानता स्थापित करने के लिए जातियों के व्यापक वर्गीकरण की राष्ट्रीय नीति को न्यायिक मान्यता देनी पड़ेगी।

हमारे देश में आरक्षण की व्यवस्था को लागू करते समय भी इसी बात की जरूरत महसूस की गई थी कि आरक्षण व्यवस्था से समाज के वंचित और उपेक्षित वर्ग-समुदाय को समाज की मुख्यधारा में आने का मौका मिलेगा। ऐसा हुआ भी। पर इस तरह की आवाजें भी लगातार उठने लगी हैं कि एससी-एसटी वर्ग में कुछ लोगों को ज्यादा फायदा मिल रहा है और कुछ तक आरक्षण व्यवस्था का अंश तक नहीं पहुंच पा रहा है। इसको लेकर इन आरक्षित वर्गों में ही विद्रोह के भाव भी समय-समय पर देखने को मिलते रहे हैं। अच्छा होगा कि एससी-एसटी आरक्षण का उपवर्गीकरण करने के साथ ही उसमें क्रीमी लेयर का सिद्धांत लागू किया जाए।

आरक्षण के बावजूद अपेक्षित लोगों को इसका लाभ न मिलना संवैधानिक एवं राजनीतिक विसंगति का प्रमाण है। ताजे फैसले के बाद राज्य सरकारें अब अनुसूचित जाति व जनजाति वर्ग में भी आरक्षण के लिए अलग-अलग श्रेणियां बना सकती हैं। इस फैसले के बाद इन वर्गों में हाशिए पर पड़ी जातियों को आरक्षण का फायदा मिलने की उम्मीद जगी है। ऐसा इसलिए भी क्योंकि यह बात भी लगातार उठाई जा रही थी कि समुचित अवसर नहीं मिलने के कारण आरक्षित एससी-एसटी वर्ग में भी ऐसी कई जातियां हैं जो सामाजिक और आर्थिक तौर पर पिछड़ेपन से उबर नहीं पा रही हैं। आरक्षण के बावजूद भूमिहीन एवं निर्धन लोगों की स्थिति आज भी दयनीय एवं असंतुलित है। क्योंकि उच्च प्रशासनिक अधिकारियों के बच्चों के बारे में यह नहीं कहा जा सकता कि उनकी स्थिति गांव में रहने वाले भूमिहीन-निर्धन-अभावग्रस्त लोगों के बच्चों जैसी है। सच यही है कि आरक्षण की व्यवस्था का फायदा भी एससी/एसटी श्रेणी के तहत आने वाली सभी जातियां समान रूप से नहीं उठा सकीं। ताजा फैसला इस सचाई को स्वीकार करते हुए राज्य सरकारों के लिए यह गुंजाइश बनाता है कि वे इस व्यवस्था का फायदा उन तबकों तक पहुंचाने की व्यवस्था करें जिन तक यह ठीक से नहीं पहुंचा है।

हमारे देश में आरक्षण की व्यवस्था को लागू करते समय भी इसी बात की जरूरत महसूस की गई थी कि आरक्षण व्यवस्था से समाज के वंचित और उपेक्षित वर्ग-समुदाय को समाज की मुख्यधारा में आने का मौका मिलेगा। ऐसा हुआ भी। पर इस तरह की आवाजें भी लगातार उठने लगी हैं कि एससी-एसटी वर्ग में कुछ लोगों को ज्यादा फायदा मिल रहा है और कुछ तक आरक्षण व्यवस्था का अंश तक नहीं पहुंच पा रहा है। इसको लेकर इन आरक्षित वर्गों में ही विद्रोह के भाव भी समय-समय पर देखने को मिलते रहे हैं। अच्छा होगा कि एससी-एसटी आरक्षण का उपवर्गीकरण करने के साथ ही उसमें क्रीमी लेयर का सिद्धांत लागू किया जाए। आरक्षित वर्गों में जो भी अपेक्षाकृत सक्षम और संपन्न हैं, उन्हें आरक्षण का लाभ दिया जाना सामाजिक न्याय की मूल भावना के खिलाफ तो है ही, वंचित-निर्धन लोगों के साथ किया जाने वाला अन्याय भी है। आरक्षण प्रदान करते समय यह देखा ही जाना चाहिए कि उसका लाभ पाने वाला पात्र है या नहीं? अब जब सुप्रीम कोर्ट ने एससी-एसटी समुदाय में आरक्षण के उपवर्गीकरण और क्रीमी लेयर की जरूरत जता दी है, तब फिर यह आवश्यक हो जाता है कि मोदी सरकार ओबीसी आरक्षण में उपवर्गीकरण की संभावना का पता लगाने के लिए गठित रोहिणी आयोग की रिपोर्ट पर अमल करने की दिशा में आगे बढ़े। कुल मिलाकर, ताजा फैसला न सिर्फ नीति-निर्माण के स्तर पर महत्वपूर्ण दखल है बल्कि आरक्षण जैसे मसले पर भविष्य के लिए दिशासूचक का भी काम कर सकता है।

नजरिया

भारतीय ज्ञान परंपरा : नई शिक्षा नीति

प्रवीण गुगनानी

मोबाइल : 9425002270

इस युगांतरकारी कदम कहा जाना चाहिये या अपनी भूमि, अपनी मिट्टी से जुड़ने का एक महत्वपूर्ण व महत्वाकांक्षी प्रयास। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को जिस प्रकार से भारतीय ज्ञान परंपरा के अध्ययन-अध्यापन, लेखन-पठन पर विशेष रूप से केंद्रित किया गया है वह अपने आप में स्वयं को पहचानने का एक प्रयास है। हम पिछले दशकों में अंग्रेजों की दी हुई शिक्षा पद्धति में हम स्वयं को ही भूल चुके थे। यूजीसी द्वारा नई युवा, छात्र पीढ़ी को भारतीय ज्ञान परंपरा से जोड़ने के अनेक सार्थक व सकारात्मक प्रयास किए जा रहें हैं। विगत दो सौ वर्षों में भारत में चल रही शिक्षा पद्धति ने हमसे हमारा राष्ट्रीय गौरव भाव छीनकर हमें आत्म ग्लानि, व हीनता के भाव से भर दिया था। अब विषय चाहे कोई भी हो, सभी में भारतीयता से जुड़े हुए विषयों का समावेशन आत्म गौरव के भाव को बढ़ाता है।

मैकॉले की शिक्षा पद्धति से हमारी विमति-असहमति दशकों पूर्व से चल रही थी। असहमति के स्वर थे किंतु इस असहमति का निराकरण नहीं हो पा रहा था।गणित, चिकित्सा विज्ञान, योग विद्या, शस्त्र निर्माण, रसायन विज्ञान, वैमानिकी, कृषि विज्ञान, कला, साहित्य, संगीत, वास्तुकला, मूर्तिकला, धातु विज्ञान, वस्त्र निर्माण, न्याय, दर्शन, खगोल विज्ञान, ज्योतिष आदि आदि कई विषयों में हमारी समृद्ध, बलशाली व गौरवशाली विरासत हमें मिली है। हमें हमारी विरासत से सतत वंचित किया गया था। शिक्षाविद सतत इस बात को कह रहे थे कि वर्तमान शिक्षा पद्धति हमें दीन-हीन स्थिति में ले जा रही है, किंतु उनके स्वर अनसुने ही रह रहे थे। मैकॉले की शिक्षा पद्धति ने हमारी भारतीय ज्ञान परंपरा को समाप्त करने के संपूर्ण प्रयास किए थे। अंग्रेजों ने ये सब इसलिए किया क्योंकि वे जानते थे कि इस ज्ञान परंपरा के प्रवाह चलते रहने से वे हमें अपना गुलाम नहीं बना पायेंगे। स्वयं के हीनता बोध को समाप्त करने हेतु भी अंग्रेजों ने भारतीय ज्ञान परंपरा को नष्ट किया।

स्वातंत्र्योत्तर भारत में जो कार्य सर्वप्रथम होना चाहिये थे वह अब हो रहा है। हमारी स्व आधारित शिक्षा पद्धति हमें अब मिल रही है।

शिक्षा क्या है, शिक्षण क्या है और शिक्षकत्व क्या है? विशुद्ध भारतीयता अर्थात सनातन स्वमेव ही शिक्षण को व्यक्त करता है। शिक्षण में शिक्षा और शिक्षकत्व के सभी तत्त्व समाहित हो ही जाते हैं। तनिक विस्तार से और तथ्यपूर्वक समझने हेतु यजुर्वेद के दूसरे अध्याय के 33 वें मंत्र को समझते हैं - 'आधत्त पितरो गर्भ कुमारं पुषकरमस्त्रजम। यथेह पुरुषो -सत।।'

महर्षि दयानंद सरस्वती ने इस मंत्र की व्याख्या की है - ईश्वर आज्ञा देता है कि विद्वान पुरुष और स्त्रियों को चाहिए कि विद्यार्थी कुमार व कुमारी को विद्या देने के लिए गर्भ की भाँति धारण करें जैसे क्रम क्रम से गर्भ के मध्य देह बढ़ती है वैसे अध्यापक लोगों को चाहिए कि अच्छी अच्छी शिक्षा से ब्रह्मचारी कुमार व कुमारी को श्रेष्ठ विद्या में वृद्धि करें तथा उनका पालन करें वह विद्या के योग से धर्मात्मा और पुरुषार्थ युक्त होकर सदासुखी हो। ऐसा अनुष्ठान सदैव करना चाहिए। वैदिक वाङ्मय में शिक्षक अर्थात आचार्य शब्द के संदर्भ में व्याख्या है - आचार्य वह जो आचरण की शिक्षा दे, सदाचार दे, दुराचार से दूर रखे। महर्षि दयानंद सरस्वती जी ने शिक्षा शब्द को भी परिभाषित करते हुए कहा है - शिक्षा वह जिससे मनुष्य की आत्मा, धर्मात्मा बने, व्यक्ति जितेन्द्रिय हो। हमारी वैदिक धरोहर यजुर्वेद के छठे अध्याय के 14 वें मंत्र मे वैदिक शिक्षा पद्धति को क्रमानुसार पाठ्यक्रम रूप में रचा गया है - वाचं ते शुन्धामि। प्राणं ते शुन्धामि। चक्षुस ते शुद्धामि। श्रोत्रम ते शुद्धामि। नाभि ते शुद्धामि। मेध्रम ते शुद्धामि। पायुम ते शुद्धामि। चरित्राम ते शुद्धामि।

इस मंत्र में आचार्य अपने शिष्य से कहते हैं, मैं नाना प्रकार की शिक्षाओं से तेरी वाणी को शुद्ध करता हूं, तेरे नेत्र को शुद्ध करता हूं, तेरी समस्त इंद्रियों को शुद्ध करता हूं और इस प्रकार मैं तेरे चरित्र को शुद्ध करता हूं तेरे। वस्तुतः शिष्य का जितेन्द्रिय हो जाना ही शिक्षा को आत्मसात कर लेना ही शिक्षा में भारतीयता है। ऐंद्रिय दृष्टि से जितेन्द्रिय हो जाने को अर्थात विवेकशील हो जाने व शुचितापूर्ण हो जाने को ही सनातन ने प्रमाणपत्र माना है। भारतीयता सनातन की धुरी पर ही घूमती है।

यहाँ प्रश्न यह उपजता है कि, भारतीयता क्या है?! या जब शिक्षा का भारतीयकरण ही हमारी शैक्षिक व्यवस्था की मूल आवश्यकता है तो ये शिक्षा का भारतीयकरण है क्या?! जीवन के विविध, विभिन्न क्षेत्रों में भारतीयता की स्थापना या उनमें देशज तत्व को स्थापित कर देना ही भारतीयता है। इस कार्य में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका के तत्त्व का बना रहना ही शिक्षा का भारतीयकरण है। भारतीयता के अनिवार्य व मूल तत्त्व हैं - भूमि, जन, संप्रभुता, भाषा एवं संस्कृति। हमने यहाँ इन पाँच शब्दों के पूर्व भारतीय शब्द का उपयोग नहीं किया है किंतु जीवन के इन तत्वों में भारतीयता का समावेशीकरण और भारतीयता से ही इन शब्दों के सत्व को साधना यही भारतीयकरण है। हमारी शिक्षा व्यवस्था और भारतीयता विषय की मूल अवधारणा को अति संक्षेप या सूक्ष्म रूप में इस प्रकार ही समझा जा सकता है। विस्तार करें तो, अंतःकरण की शुचिता, बाह्य शुचिता, सात्विकता का सातत्य बनाये रखना और इनसे आनन्दमय रहना है। देशज भारतीय जीवन मूल्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करना और उनकी सतत रक्षा ही सच्ची भारतीयता की कसौटी है। संयम, अनाक्रमण, सहिष्णुता, त्याग, औदार्य, रचनात्मकता, सह-अस्तित्व, बन्धुत्व, सर्व समावेशी, सर्व स्पर्शी, समरसता, आदि आदि प्रमुख भारतीय जीवन मूल्य हैं जो शिक्षा में समाहित हों यह आवश्यक हैं। स्वदेशी का आग्रह रखते हुए हम वैश्वीकरण के न केवल अग्रदूत बनें अपितु वैश्वीकरण करण को अपने स्वभाव में स्थापित किए रहें यह भी भारतीयता या सनातनता है। वस्तुतः भारतीय शिक्षा पद्धति या वैदिक शिक्षण ही हमें वह वैचारिक आधार देता है जिस आधार पर स्थिर होकर हम देशज के आग्रह के साथ वैश्विक होते भी हैं और विश्व को भारतीयता में ढलने का संदेश भी देते हैं। इस उपक्रम के फलस्वरूप वैदिक धर्म में विश्व का कितना ध्यान आकृष्ट हुआ है यह किसी से छिपा नहीं है। पर अत्यधिक बल देता है। हमारी शिक्षा में विश्वबंधुत्व का भाव समूचे विश्व में हमारी भारतीयता का द्योतक बन हमारा वैचारिक नेतृत्व करता है। विश्वबंधुत्व का यह अविरल, अविचल अद्भुत और उद्भट भाव हमें हमारी आध्यात्मिकता मात्र से मिलता है। तभी तो स्वामी विवेकानंद ने कहा है - भारतीयता आध्यात्मिकता की तरंगों से ओत प्रोत रहने वाला और एक अविभाजित रहने वाला तत्त्व है। तो, यहाँ से हम समझ समझ सकते हैं कि भारतीयता का अनिवार्य तत्त्व आध्यामिकता है। इस आध्यामिकता से ही युगों युगों से हमारी शिक्षा पद्धति सिद्ध रही है और विश्वगुरु के आसन पर एक बड़े ही दीर्घ कालखंड तक विराजित रहे हैं। वसुधैव कटुम्बकम की अवधारणा अर्थात संपूर्ण विश्व को परिवार मानने का व्यापक मानस भारतीयता का और भारतीय शिक्षा का मूल तत्त्व है - अयं निजः परोवेति गणना लघुचेतसाम। उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम।।

यह मेरा है, यह पराया है, ऐसे विचार तुच्छ या निम्न कोटि के व्यक्ति करते हैं। उच्च चरित्र वाले व्यक्ति समूचे विश्व को ही कुटुंब मानने का आचरण स्थिरता से धारण किए रहते हैं। शिक्षण में भारतीयता ही भारतवंशी के मानस में यह विचारतत्त्व स्थापित करती है कि -

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चित दुःख भाग्भवेत।।

शिक्षा में भारतीयता ही तो है जो हमें हमें अपने स्थान, ग्राम, जनपद, प्रांत, राष्ट्र से ऊपर उठाकर हमसे कृण्वन्तो विश्वमार्यम का उद्घोष कराती है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

रूस, अमेरिका के बीच कैदियों की अदला-बदली में रूसी खुफिया एजेंट को भी छोड़ा गया

तालिन (एस्टोनिया)। अमेरिका और रूस के बीच शीत युद्ध के बाद कैदियों की सबसे बड़ी अदला-बदली में रूस ने पहली बार स्वीकार किया कि पश्चिमी देशों में पकड़े गए कुछ रूसी नागरिक उसकी सुरक्षा सेवाओं से जुड़े थे।

रिहा किए गए कैदियों के परिवारों ने इस आश्चर्यजनक रिहाई पर अपनी खुशी व्यक्त की। बृहस्पतिवार रात अमेरिकी प्रांत मैरीलैंड में पत्रकार इवान गेर्शकोविच और अलसू कुर्माशेवा तथा पूर्व मरीन पॉल व्हेलन का उनके परिवारों ने स्वागत किया। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने भी इस पर खुशी जताई।

वहीं, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मास्को के वानुकोवो हवाई अड्डे पर वापस आए प्रत्येक रूसी नागरिक को गले लगाया।

लौटने वाले आठ लोगों में वादिम कसीकोव भी शामिल था, जो एक रूसी हत्यारा था और 2019 में बर्लिन के एक पार्क में एक पूर्व चेचन लड़ाके की हत्या के लिए जर्मनी में आजीवन कारावास की सजा काट रहा था। जर्मन न्यायाधीशों ने कहा था कि हत्या रूसी अधिकारियों के आदेश पर की गई थी। रूस के राष्ट्रपति कार्यालय 'क्रेमलिन' के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने शुक्रवार को संवाददाताओं को बताया कि कसीकोव संघीय सुरक्षा सेवा (एफएसबी) का अधिकारी है और पश्चिमी देशों को भी यह तथ्य बताया गया। उन्होंने यह भी कहा कि कसीकोव ने एक बार पुतिन के कुछ अंगरक्षकों के साथ एफएसबी की विशेष अल्फा इकाई में काम किया था। पेसकोव ने कसीकोव को कैदियों की इस अदला-बदली में शामिल करने में पुतिन की गहरी दिलचस्पी को रेखांकित करते हुए कहा, स्वाभाविक रूप से, उन्होंने कल भी एक-दूसरे का अभिवादन किया।

पेसकोव ने यह भी पुष्टि की कि स्लोवेनिया में रिहा किए गए दंपति आर्टेम डुल्टसोव और अन्ना डुल्टसोवा अंडरकवर खुफिया अधिकारी थे।

अर्जेंटीना के प्रवासियों के रूप में, उन्होंने 2017 से ल्यूब्लजाना को अपने आधार के रूप में इस्तेमाल किया, ताकि मास्को के आदेशों को अन्य स्लीपर एजेंट तक पहुंचाया जा सके और 2022 में जासूसी के आरोप में उन्हें गिरफ्तार किया गया था।

पाकिस्तान में न्यायाधीशों के काफिले पर हमला, दो पुलिसकर्मी मारे गए

पेशावर/भाषा। उत्तर पश्चिम पाकिस्तान में स्थित अशांत प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में आतंकवादियों ने शुक्रवार को ड्यूटी करके घर लौट रहे न्यायाधीशों के एक काफिले पर घात लगाकर हमला कर दिया जिससे उनकी सुरक्षा में तैनात दो पुलिसकर्मियों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। सभी तीन न्यायाधीश सुरक्षित हैं। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, आतंकवादियों की ओर से घात लगाकर किए गए सशस्त्र हमले में न्यायाधीशों की रक्षा करते समय ड्यूटी के दौरान दो पुलिसकर्मी मारे गए, जबकि दो अन्य घायल हो गए।

खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के डेरा इस्माइल खान में टैंक जिले की अदालतों में ड्यूटी के बाद न्यायाधीशों का काफिला जब उनके घरों की ओर जा रहा था तो कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी, लेकिन इसके बावजूद सशस्त्र आतंकवादियों ने घात लगाकर हमला कर दिया।

दौरा

शिमला में शुक्रवार को मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुखू शिमला जिले के रामपुर क्षेत्र के समेज में बादल फटने वाली जगह का दौरा किया।

कवयित्री प्रिया वर्मा को भारत भूषण अग्रवाल पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया

नई दिल्ली/भाषा। कवयित्री प्रिया वर्मा को उनके पहले कविता संग्रह 'स्वप्न से बाहर पाँव' के लिए 2024 का 'भारत भूषण अग्रवाल पुरस्कार' प्रदान किया गया है। आयोजक रज़ा फाउंडेशन ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

वर्मा के कविता संग्रह के बारे में चयनकर्ता एवं आलोचक मदन सोनी ने कहा कि उनकी कविताएं बहुत जटिल मानवीय अनुभवों को दर्शाती हैं।

सोनी ने कहा कि ये कविताएं संदर्भों की तात्कालिकता का अतिक्रमण कर अनुभव को उसकी सार्वकालिकता-सार्वभौमिकता के प्रकाश में पकड़ने का प्रयास करती हैं। उन्होंने कहा कि वर्मा की कविताएं बार-बार 'प्रेम' पर एकाग्र होती हैं और उसकी बहुत सूक्ष्म तहों एवं सलवटों को उकेरती हैं तथा उसे मानवीय अस्तित्व के मूलगामी अभिप्राय के रूप में देखने का यत्न करती हैं। सोनी ने कहा, कविताएं जूझती और उलझती हैं, जिरह करती हैं, लेकिन सिर्फ दुनिया से नहीं, बल्कि खुद से भी। हिंदी के चर्चित कवि भारत भूषण अग्रवाल का जन्म तीन अगस्त 1919 में उत्तर प्रदेश के मथुरा में हुआ था। वह सच्चिदानंद वात्स्यायन के काव्य संकलन 'तार सप्तक' में शामिल कवियों में से एक हैं। अग्रवाल को उनके कविता संग्रह 'उतना वह सूरज है' के लिए 1978 में साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। अग्रवाल की बेहतरीन रचनाओं में 'जागते रहो, मुक्तिमार्ग, ओ अप्रस्तुत मन' और 'एक उठा हुआ हाथ' शामिल हैं।

यह पुरस्कार अग्रवाल के परिवार ने 1979 में स्थापित किया था। इसके तहत समकालीन युवा कवि की सर्वश्रेष्ठ कविता को सम्मान दिया जाता है।

एप्पल ने जून तिमाही में भारत और 24 अन्य देशों में रिकॉर्ड राजस्व कमाया

नई दिल्ली/भाषा। आईफोन बनाने वाली दिग्गज कंपनी एप्पल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) टिम कुक ने शुक्रवार को कहा कि जून तिमाही में कंपनी ने भारत समेत करीब 25 देशों में रिकॉर्ड राजस्व वृद्धि दर्ज की।

एप्पल की अप्रैल-जून तिमाही में शुद्ध आय 7.8 प्रतिशत बढ़कर 21.44 अरब डॉलर हो गई। यह एक साल पहले इसी अवधि में 19.8 अरब अमेरिकी डॉलर थी। कंपनी की समीक्षाधीन तिमाही में कुल शुद्ध बिक्री 4.8 प्रतिशत बढ़कर 85.77 अरब अमेरिकी डॉलर हो गई। यह 2023 अप्रैल-जून तिमाही में 81.79 अरब

अमेरिकी डॉलर थी।

एप्पल के सीईओ टिम कुक ने कंपनी के तिमाही नतीजों पर चर्चा के दौरान कहा, एप्पल ने जून तिमाही में 85.8 अरब अमेरिकी डॉलर का नया राजस्व रिकॉर्ड दर्ज किया जो एक साल पहले की तुलना में पांच प्रतिशत अधिक है। यह हमारी उम्मीद से भी बेहतर है। हमने कनाडा, मैक्सिको, फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन, भारत, इंडोनेशिया, फिलिपीन और थाईलैंड सहित 24 से अधिक देशों तथा क्षेत्रों में तिमाही के दौरान रिकॉर्ड राजस्व हासिल किया। एप्पल का भारत, इंडोनेशिया, फिलिपीन और थाईलैंड से राजस्व अप्रैल- जून तिमाही में एक वर्ष पूर्व की तुलना में 76 करोड़ अमेरिकी डॉलर तक बढ़ गया। हालांकि आलोच्य अवधि में आईफोन की बिक्री करीब एक प्रतिशत घटकर 39.29 अरब डॉलर रह गई, जो एक वर्ष पूर्व इसी तिमाही में 39.66 अरब डॉलर थी। एप्पल मैक की बिक्री सालाना आधार पर 2.4 प्रतिशत बढ़कर सात अरब अमेरिकी डॉलर हो गई। यह पिछले साल अप्रैल-जून में 6.8 अरब अमेरिकी डॉलर थी। वहीं आईपैड की बिक्री 5.8 अरब अमेरिकी डॉलर से 24 प्रतिशत बढ़कर 7.16 अरब अमेरिकी डॉलर हो गई।

15 अगस्त को प्रदर्शित होगी रवि तेजा की 'मिस्टर बच्चन'

मुंबई/एजेन्सी

कुछ समय पहले ही, निर्माताओं ने रवि तेजा की अगली फिल्म की नई रिलीज की तारीख का खुलासा करने के बाद, मिस्टर बच्चन के नए पोस्टर का अनावरण करके उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। सच्ची घटनाओं से प्रेरित इस फिल्म में तेलुगु स्टार एक आयकर अधिकारी की भूमिका में हैं। उन्होंने प्रशंसकों के साथ टीज़र साझा करने का फैसला किया, जो यह देखने के लिए उत्साहित थे कि अभिनेता ने उनके लिए क्या रखा है। भाग्यश्री बोरसे की मुख्य भूमिका वाली इस फिल्म का निर्देशन हरीश शंकर ने किया है।

टीज़र 29 जुलाई को जारी किया गया था और इसकी शुरुआत रवि तेजा द्वारा भाग्यश्री बोरसे द्वारा निभाई गई एक गाँव की सुंदरी की प्रशंसा करने और उसे लुभाने के प्रयास से होती है। टीज़र हमें बैकग्राउंड में लोकप्रिय हम आपके हैं कौन के गीत 'दीदी तेरा देवर' का उपयोग करके 80 के दशक की झलक देता है और बाद में, यह रवि द्वारा निभाई गई भूमिका पर ध्यान केंद्रित करता है जो कि एक गंभीर आयकर अधिकारी की है। गौरतलब है कि यह फिल्म 2018 की हिन्दी फिल्म रेड की रीमेक है, जिसमें अजय देवगन और इलियाना डिक्रूज मुख्य भूमिका में थे। लेकिन टीज़र को देखकर ऐसा लगता है कि तेलुगु फिल्म के निर्माताओं ने इसे बड़े पैमाने पर एक्शन और नाटकीय दृश्यों जैसे पर्याप्त व्यावसायिक तत्वों के साथ पेश किया है।

1980 के दशक की शुरुआत में सरदार इंदर सिंह के आयकर छापे के मामले में घटित वास्तविक जीवन की घटनाओं पर आधारित, मिस्टर बच्चन को हरीश शंकर ने लिखा और निर्देशित किया है।

मिकी जे. मेयर द्वारा संगीत, अयानंका बोस द्वारा छायांकन और कोला अविनाश द्वारा कला निर्देशन के साथ, यह फिल्म पीपल मीडिया फैक्ट्री के बैनर तले निर्मित की गई है। यह 15 अगस्त, स्वतंत्रता दिवस पर रिलीज़ होने वाली है, और उम्मीद है कि यह थंगालान और डबल इस्मार्ट जैसी पैन इंडिया मनोरंजक फिल्मों सहित अन्य रिलीज़ के साथ टकराएगी।

आदित्य धर की अगली फिल्म में आर माधवन निभाएंगे अजीत डोभाल का किरदार

मुंबई/एजेन्सी

शनिवार, 27 जुलाई को, जियो स्टूडियोज और बी62 स्टूडियोज ने पुष्टि की कि उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक (2019) के निर्देशक आदित्य धर की अगली फिल्म में रणवीर सिंह, संजय दत्त, आर माधवन, अक्षय खन्ना और अर्जुन रामपाल होंगे। इन पांचों अभिनेताओं और आदित्य धर की एक ब्लैक-एंड-व्हाइट तस्वीर निर्माताओं द्वारा जारी की गई थी और यह चर्चा का विषय बन गई थी। यह फिल्म पिछले हफ्ते 25 जुलाई को फ्लोर पर भी आई थी।

प्रेस रिलीज़ में यह नहीं बताया गया कि फिल्म किस बारे में है, लेकिन रिपोर्ट्स के अनुसार, यह एक पीरियड एक्शन थ्रिलर है, जो भारत और पाकिस्तान के बीच भू-राजनीतिक परिदृश्य की पृष्ठभूमि पर आधारित है। जल्द ही, कयास लगाए जाने लगे कि रणवीर भारत के वर्तमान राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की युवावस्था में भूमिका निभाएंगे। बॉलीवुड हंगामा को पता चला है कि फिल्म में अजीत डोभाल के जीवन को दिखाया गया है, लेकिन रणवीर इस किरदार को नहीं निभाएंगे।

बॉलीवुड हंगामा को एक सूत्र ने बताया, आर माधवन इस प्रतिष्ठित भूमिका को निभा रहे हैं। फिल्म में उनका लुक काफी अलग और अलग होगा और यह कुछ ऐसा है जिसे लेकर रणवीर काफी उत्साहित हैं। हमेशा की तरह, वह इस भूमिका में भी अपना दिल और आत्मा लगा रहे हैं। निर्माताओं को पूरा भरोसा है कि यह देखने लायक है।

हालांकि सूत्र को इस बारे में कोई जानकारी नहीं थी कि किरदार का नाम अजीत डोभाल होगा या यह उस व्यक्ति से प्रेरित होगा। साथ ही, रणवीर सिंह द्वारा निभाए जाने वाले किरदार के बारे में भी कोई विवरण उपलब्ध नहीं है। दिलचस्प बात यह है कि यह दूसरी बार है जब आदित्य धर अपनी फिल्म में अजीत डोभाल को दिखाएंगे। उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक में, परेश रावल का किरदार गोविंद भारद्वाज अजीत डोभाल पर आधारित था। निर्माताओं द्वारा दी गई प्रेस विज्ञप्ति से यह भी स्पष्ट होता है कि आम धारणा के विपरीत, फिल्म का नाम धुरंधर नहीं है। फिल्म, अभी तक, बिना शीर्षक वाली है। इसका निर्माण जियो स्टूडियो की ज्योति देशपांडे ने लोकेश धर और आदित्य धर के साथ मिलकर अपने बैनर बी62 स्टूडियो के तहत किया है।

'वागले की दुनिया' में, राजेश और वंदना का सही रिश्ता मुश्किलों से गुज़रता है

मुंबई/एजेन्सी

सोनी सब का 'वागले की दुनिया - नई पीढ़ी नए किस्से' वागले परिवार की रोज़मर्रा की समस्याओं और उनसे जीत की कहानी दर्शाता है। हाल के एपिसोड में, राजेश (सुमीत राघवन) के मन में कछुए और खरगोश की तुलना घर कर जाती है। अथर्व (शीहान कपाही) की आलोचना से परेशान होकर, वह लापरवाही से ज़ोखिम उठाना शुरू कर देता है, जिसमें वंदना के गहनों को गिरवी रखकर शेयर मार्केट में निवेश करना भी शामिल है। उसकी हरकतें अच्छाई की सीमाओं को पार कर जाती हैं, जिससे उसके प्रियजनों की चिंताएं बढ़ जाती हैं। आगामी एपिसोड्स में दिखाया जाता है, कि वंदना (परिवा प्रणति) राजेश की जुआ खेलने की आदत और अथर्व का सम्मान हासिल करने की कोशिश से परेशान है। उसके अजीब बर्ताव से निपटने की उसकी कोशिशों के बावजूद, उनका रिश्ता तनावपूर्ण हो जाता है, जिससे कभी अटूट माने जाने वाले इस जोड़े के बीच निरंतर झगड़ा होने लगता है। वंदना और राजेश के बीच के बढ़ते झगड़े का असर पूरे परिवार पर पड़ने लगता है, जिससे वे स्थिति के बारे में चिंतित हो जाते हैं।

राजेश वागले की भूमिका निभाने वाले, सुमीत राघवन ने कहा, राज और वंदू हमेशा आदर्श कपल रहे हैं। 3 साल तक, दर्शकों ने उन्हें एक-दूसरे का विरोध किए बिना साथ मिलकर जीवन के उतार-चढ़ावों का सामना करते हुए देखा है। हालांकि, राजेश के हालिया बेपरवाह बर्ताव और उसकी अजीबोगरीब हरकतों ने वंदना को ऐसी स्थिति में पहुंचा दिया है जहां उसके सब्र का बांध टूटने लगा है। उसे लगता है कि माता-पिता को अपने टीनेजर बच्चों को संतुष्ट करने के लिए मौलिक रूप से नहीं बदलना चाहिए। राजेश के लिए इसे समझना चुनौतीपूर्ण है। उनके बीच की बढ़ती दूरी निस्संदेह सभी को चिंतित करेगी और यह देखना दिलचस्प होगा कि हमारा यह आदर्श कपल अपनी दूरियों को कैसे मिटाएगा।

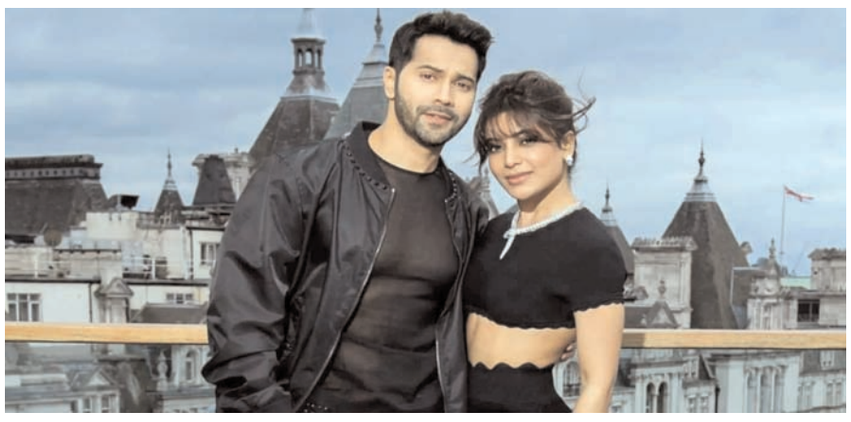

वरुण धवन-सामंथा रुथ की 'सिटाडेल हनी बनी' 7 नवंबर को होगी रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

आगामी जासूसी एक्शन स्ट्रीमिंग शो 'सिटाडेल हनी बनी' इस साल 7 नवंबर को ओटीटी पर रिलीज होगा। शो की रिलीज की तारीख का खुलासा गुरुवार को मुंबई के बांद्रा पश्चिम इलाके में महबूब स्टूडियो में एक कार्यक्रम के दौरान किया गया।

कार्यक्रम में बॉलीवुड स्टार वरुण धवन और शो में उनकी सह-कलाकार सामंथा रुथ प्रभु भी शामिल हुईं। वरुण ने बताया कि शो के निर्माताओं ने उन्हें सख्त निर्देश दिए थे कि यह शो उनका एकमात्र फोकस है और वह कोई अन्य प्रोजेक्ट या फिल्म भी नहीं कर सकते। 'सिटाडेल हनी बनी' वैश्विक श्रृंखला 'सिटाडेल' का भारतीय संस्करण है। मूल शो में प्रियंका चोपड़ा जोनास और रिचर्ड मैडेन मुख्य भूमिका में थे।

वरुण ने यह भी खुलासा किया कि वह थोड़ा हैरान थे क्योंकि उन्हें लगा था कि चूंकि यह प्राइम वीडियो शो है इसलिए इसमें बहुत ही भव्य सेट होंगे। हालांकि, शूटिंग मुंबई के 'ठाणे' और 'भांडुप' इलाकों में सड़कों पर हुई। उन्हें बताया गया था कि शो की कहानी में प्रामाणिकता लाने के लिए ऐसा किया जा रहा है। अभिनेता ने यह भी बताया कि 'बदलापुर' के बाद यह उनके करियर में दूसरा मौका है जब वह किसी डार्क कहानी का हिस्सा हैं। 'सिटाडेल हनी बनी' में के के मेनन भी हैं।

इससे पहले वरुण धवन ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर एक पोस्ट में कहा था कि वह 1 अगस्त को अपने फैंस को एक बड़ा सरप्राइज देने वाले हैं। यह शो 7 नवंबर को प्राइम वीडियो पर आएगा।

मुस्कुराना और डांस करना न भूलें : नीरू बाजवा

मुंबई/एजेन्सी

पंजाबी फिल्म स्टार नीरू बाजवा, जो इस माह 44 साल की होने वाली हैं, वह अपने जन्मदिन के महीने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं और उन्होंने इसकी शुरुआत वर्कआउट से की। नीरू ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया। जिसमें वह जिम में साइकिल पर वर्कआउट करती नजर आ रही हैं। एथलीजर पहने अभिनेत्री कैमरे की ओर बड़े अदब से देख रही हैं। उन्होंने क्लिप को कैप्शन दिया: बर्थडे मंथ शुरू हो गया है! हर दिन बन रही शक्तिशाली! वर्कआउट के बीच में मुस्कुराना और डांस करना न भूलें। वर्क फ्रंट की बात करें तो नीरू ने हाल ही में घोषणा की कि उनकी आगामी फिल्म 'शुक्राना' की तारीख बदल दी गई है। उन्होंने फोटो-शेयरिंग वेबसाइट पर एक पोस्टर के साथ खबर साझा की। फिल्म अब 27 सितंबर को सिनेमाघरों में आएगी। उन्होंने एक अनाम फिल्म की भी घोषणा की है जो 9 मई, 2025 को रिलीज होने वाली है। दिलजीत दोसांझ के साथ उनकी हालिया रिलीज 'जट्ट एंड जूलियट 3' ने बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया है। फिल्म ने दुनियाभर में 107.51 करोड़ रुपए कमाए हैं। चार सप्ताह तक सिनेमाघरों में सफल प्रदर्शन के बाद, फिल्म ने दुनियाभर में 107.51 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। यह किसी पंजाबी फिल्म का दुनिया भर में सबसे अधिक कलेक्शन है। 'जट्ट एंड जूलियट 3' का निर्देशन जगदीप सिद्धू ने किया है। फिल्म की कहानी भी उन्होंने ही लिखी है। व्हाइट हिल स्टूडियो, स्पीड रिकॉर्ड्स और स्टोरीटाइम प्रोडक्शंस द्वारा इसे निर्मित किया गया है।

नई दिल्ली में शुक्रवार को मानसून सत्र के दौरान संसद भवन जाती भाजपा सांसद कंगना रनौत।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
चेन्नई | शनिवार | 03-08-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

कर्म हमारे साथ चलते हैं। कर्म के कारण हमारे जीवन में कई परिस्थितियां बनती है। उसी समय हमारे मन में जिज्ञासा उत्पन्न होती है कि कर्म ही हमारे साथ चलते हैं या और कुछ भी है, जो साथ चलते हैं। भगवान कहते हैं ज्ञान इस भव में उपयुक्त है, परभव में भी साथ देगा। ज्ञान दोनों जगह साथ होगा। आज हमारे समाज में शिक्षा का महत्व बढ़ रहा है। जो व्यवहार की शिक्षा आप लेते हो, वह जीवन पर्यन्त सुखी रखती है। सम्यक् ज्ञान को अपने साथ लिया, तो वह जीवन में साथ देगा। आपको ज्ञान है तो घबराने, डरने की जरूरत नहीं है। ज्ञान और दर्शन इस भव और परभव दोनों जगह साथ में रहते हैं।

महाप्रबंधक ने दक्षिण रेलवे की उत्कृष्ट एक्केटिक्स टीम और शतरंज चैंपियन को बधाई दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण रेलवे के महाप्रबंधक आर.एन. सिंह ने मुंबई में आयोजित 64वीं अखिल भारतीय अंतर रेलवे एक्केटिक्स चैंपियनशिप 2024-25 में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दक्षिण रेलवे एक्केटिक्स टीम को बधाई दी। महाप्रबंधक ने जोन के शतरंज खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन की भी सराहना की, जिन्होंने हाल के टूर्नामेंटों में पदक जीते हैं। इस अवसर पर दक्षिण रेलवे खेल संघ (एसआरएसए) के अध्यक्ष और प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर सोमेश कुमार, एसआरएसए के सचिव और मुख्य कार्यशाला प्रबंधक, कैरिज एंड वैगन वर्कशॉप, पेरम्बूर वी. देवराजन, सहायक खेल अधिकारी आदि सेकर और श्रीमती पी. अनीता, विशेष कर्तव्य/खेल अधिकारी, दक्षिण रेलवे उपस्थित थे।

आर.एन. सिंह ने सभी खिलाड़ियों और शतरंज चैंपियनों को हार्दिक बधाई दी और दक्षिण रेलवे प्रशासन द्वारा अपने कर्मचारियों के बीच खेलों को बढ़ावा देने और प्रतिभा को निखारने के लिए दिए जा रहे निरंतर समर्थन और प्रोत्साहन पर प्रकाश डाला। उन्होंने टीम वर्क, अनुशासन और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा देने में खेलों के महत्व पर जोर दिया।

दक्षिण रेलवे की तैराकी टीम ने हाल ही में मुंबई में आयोजित 64वीं अखिल भारतीय अंतर रेलवे एक्केटिक्स चैंपियनशिप 2024-25 में 4 स्वर्ण, 5 रजत और 8 कांस्य पदक जीतकर प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

मैजिक शो

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के अयनावरम् स्थित जैन संघ द्वारा दादावाड़ी में मुम्बई से आए रमेश भाई का मैजिक शो आयोजित किया गया। सैंकड़ों की संख्या में बच्चे एवं अभिभावकों ने रमेश भाई द्वारा दिखाए गए मैजिक शो में धर्म की बातें सीखीं। संघ के मीठालाल दूगड़, ललित कांठेड, ज्ञानचंद रांका, महावीर बांठिया, निलेश गुलेच्छा व मोतीलाल ओस्तवाल का शो में सराहनीय सहयोग रहा।

त्याग की भावना से ही संगठन मजबूत बन सकता है : युवाचार्य महेंद्र ऋषि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई। यहां के एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी ने शुक्रवार को नौ दिवसीय आनंद जन्मोत्सव के छठे दिन प्रवचन में कहा कि जहां धर्म को धर्म का यूज लिया जा रहा है, वहां धर्म कम होता जा रहा है। वह भी एक समय था जब संचार माध्यम और परिवहन व्यवस्था उन्नत नहीं थी, फिर भी सभी संप्रदायों में तालमेल, संगठन रहता था। 1939 में आचार्य आनंद ऋषि को ऋषि संप्रदाय के युवाचार्य बनाया गया। आनंद ऋषिजी अपनी संघीय व्यवस्थाओं, समाचारी में सजग थे। वे ध्यान रखते थे कि हर कार्य व्यवस्थित और समाचारी के अनुसार हो। 1942 में उन्हें आचार्य पदवी दी गई।

उन्होंने कहा उससे पहले 1936 में संघ-समाज में रुचि बढे, ज्ञान के अभाव में जिनशासन कमजोर न पड़े, इसके लिए श्रुतज्ञान को बढ़ाया। आज भी कहता हूं हमारे श्रावक संघ के प्रति समर्पित हो जाए तो संघ एक हो सकता है। श्रावकों को इसके लिए पहल करनी पड़ेगी। उस समय संघ के संगठन के नाम पर आचार्य पद तक छोड़ने को तैयार रहते थे। जब तक त्याग नहीं होता, संगठन नहीं बन सकता। जब व्यक्ति अपनी महत्वाकांक्षा को लेकर चलता है तो संघ, संगठन टूट जाते हैं। वे अपनी महत्वाकांक्षा को एक तरफ रखे तो संगठन मजबूत हो जाता है। इसके लिए त्याग की प्रवृत्ति जरूरी है। पांच संप्रदायों ने एक साथ मिल वीर श्रमण संघ की स्थापना की। उसके आचार्य बनने से गुरुदेव की जिम्मेदारी बढ गई।

उन्होंने सभी संप्रदायों को एक साथ लाकर बिना किसी प्रांतीय भेदभाव के स्थानकवासी वर्धमान संगठन का निर्माण किया। श्रमण संघ ने पूर्व से पश्चिम, उत्तर से दक्षिण सभी साधु संतो के विहार को सुलभ बना दिया। उन्होंने कहा संघ को आगे बढ़ाना है तो संघ के गौरव को आगे बढ़ाना होगा। संघ के प्रति अहोभाव रखते हुए आप सभी साधना, आराधना करें। शुक्रवार को नवकार मंत्र जप के लाभार्थी ललित- स्नेहा संचेती परिवार थे। तडा से भक्तामर मंडल और विभिन्न क्षेत्रों से कई श्रद्धालु युवाचार्यश्री के दर्शनार्थ उपस्थित हुए। शनिवार से आनंद जन्मोत्सव कार्यक्रम के तहत सामूहिक तेलों का आयोजन होगा। कमल छल्लाणी ने सभा का संचालन किया।

राजस्थानी ओलिम्पयाड के अंतर्गत वालीबाल, बेडमिंटन, खो-खो, कबड्डी प्रतियोगिता कल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के राजस्थानी एसोसिएशन तमिलनाडु (रजत) द्वारा राजस्थान रत्न के सुभाषचंद रांका प्रस्तुति राजस्थानी ओलिम्पयाड तथा पावर्ड बाय राजस्थान रत्न मोहन गोयंका फाउंडेशन के अंतर्गत वालीबाल, बेडमिंटन, खो-खो, कबड्डी प्रतियोगिता 4 अगस्त को डीजी वैष्णव कालेज में होगी। इसकी तैयारियों को लेकर कॉलेज में एक बैठक का आयोजन किया गया। रजत के अध्यक्ष प्रवीण टाटिया ने सभी का स्वागत किया। ओलंपियाड चेयरमैन डॉ अशोक जे मुंदड़ा ने राजस्थानी ओलम्पियाड के बारे में जानकारी दी। कन्वेनर अजय नाहर ने बताया कि मुख्य अतिथि दक्षिण रेलवे के उप वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य प्रशासनिक अधिकारी सुलेख जैन तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में एस बादलचन्द चोरड़िया ट्रस्ट के ट्रस्टी आर प्रसन्न चंद चोरडिया होंगे। गोयल मार्बल एवं ग्रेनाइट वॉलीबॉल प्रीमियर लीग के समन्वयक आरएस मुंदड़ा, प्रकाश सेठिया खो खो टूर्नामेंट के समन्वयक ज्ञानचंद कोठारी, नाकोडा मार्बल कब्बडी प्रीमियर लीग के समन्वयक नवनीत दमानी तथा लक्ष्मी ज्वेलरी बैडमिंटन प्रीमियर लीग के समन्वयक कपिल पंसारी ने अपने अपने खेलों के बारे में जानकारी दी। अतिथि सत्कार के सहयोगी ओ पी जी पावर ग्रुप है। पूर्वाध्यक्ष मोहनलाल बजाज, उपचेयरमैन मदन राठी, निर्मल नाहटा, दौलतराज बांटिया, गौतमचंद नाहर, शांतिलाल कांकरिया, इंदरचंद छाजेड, महेन्द्र कुंकुलोल, कांता बिसानी, ममता अग्रवाल ने सुझाव दिया। उपचेयरमैन अनुराग महेश्वरी ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

दूसरों को हमें प्रशंसा करनी चाहिए : साध्वी डॉ. प्रतिभाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ मईलापुर में साध्वी डॉ प्रतिभा श्री ने धर्म सभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि- प्रशंसा करना अच्छा लगता हैं या प्रशंसा सुनना अच्छा लगता है हमें प्रशंसा सुनना अच्छा लगता है। जैसा करेंगें वैसे हमें भुगतान करना पड़ेगा। हमने अपनी माता-पिता और गुरु की प्रशंसा की क्या? हमें प्रशंसा करनी चाहिए कि आपने हमें इतना अच्छा जन्म दिया। गुणी जनों को देखकर या हर जगह हमें प्रशंसा करनी चाहिए दुसरों की। कोई छोटे बच्चे को अगर प्रोत्साहित करते हैं तो उस बच्चे को आगे बढ़नी की इच्छा होती है। हमें समाज में परिवार में ऐसे कार्य करो कि लोग हमारी प्रशंसा करें। जैसे प्रभु परमात्मा के प्रति किसने प्रशंसा की किसी ने देष की भावना रखी तभी परमात्मा सबके प्रति अच्छी भावना रखी हमें हर परिस्थिति हर जगह गुनीजनों के प्रति प्रशंसा करनी और हमारी कोई भी प्रशंसा करें तो अभिमान या गर्व की भावना नहीं रखनी। जैसे कोई भी हमारे लिए अच्छा करें उसकी प्रशंसा करनी चाहिए। स्वयं की प्रशंसा सुनना नहीं तो हमारा जीवन का कल्याण हो सकता है हम अपने जीवन को आत्मसात करना चाहिए। तो हमें जीवन में सफलता प्राप्त हो सकती है। संचालन मंत्री विमलचन्द खाबिया ने किया।

कोयम्बटूर में नारायण लिंब फिटमेंट केम्प कल

तमिलनाडु के 638 दिव्यांगों को लगेंगे मोड्युलर लिम्ब

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयंबटूर। देश-विदेश में दिव्यांगजनों और मानव सेवा के लिए पहचाने जाने वाले उदयपुर,राजस्थान के नारायण सेवा संस्थान द्वारा तमिलनाडू के दिव्यांगों के लिए 4 अगस्त को निःशुल्क नारायण लिम्ब एवं कैलीपर्स फिटमेंट का विशाल शिविर कोयंबटूर में आयोजित होगा। यह शिविर माहेश्वरी भवन 5/368, थडगाम मेन रोड केएनजी पुदुर पिरिवु, सोमायमपलयम में 4 अगस्त को सुबह से शाम तक चलेगा।

निजी होटल में आयोजित प्रेस वार्ता में संस्थान मीडिया एवं जन संपर्क निदेशक भगवान प्रसाद गौड़ ने जानकारी देते हुए कहा संस्थान विभिन्न राज्यों के दिव्यांग बन्धुओं को उनके घर शहर के नजदीक लाभान्वित करने के लिए विगत 39 वर्षों से प्रयासरत हैं। इसी शृंखला में नारायण सेवा ने 28 अप्रैल को निःशुल्क नारायण लिंब मेजरमेंट कैंप का आयोजन माहेश्वरी सभा में किया था। जिसमें 1000 से अधिक रोगी आए थे। इनमें से 638 जन ऐसे थे जो सड़क दुर्घटना या किसी हादसे से हाथ-पैर खोकर दिव्यांगता का शिकार हो गए थे। उनका चयन करते हुए संस्थान ने नारायण लिम्ब के लिए नाप लिया था। उन्होंने कहा कोयंबटूर में पहली बार संस्थान एक साथ 638 से ज्यादा दिव्यांगों को नारायण लिम्ब पहनाकर उन्हें नई जिंदगी का उपहार देगा। यह सभी जन अपनी दिव्यांगताभरी जिंदगी के चलते अपने परिवार और परिजनों पर बोझ बन गए थे। संस्थान उन्हें आत्मनिर्भर बनाकर समाज की मुख्यधारा में ला रहा है।

माहेश्वरी सभा के सचिव संतोष मुंदडा ने कहा इस शिविर के लिए माहेश्वरी भवन निशुल्क दिया गया है। हम प्रदेश के दिव्यांगों की मदद के लिए सदैव तैयार रहेंगे। इस शिविर के लिए स्थानीय संगठन अग्रवाल समाज, माहेश्वरी सभा, राजस्थानी संघ,हरियाणा समाज,जायसवाल समाज, श्री राजस्थान जैन मूर्ति पूजक संघ, पंजाबी एसोशिएशन, श्री कोयंबटूर गुजराती समाज, श्री कोयंबटूर जैन महासंघ, ब्राह्मण समाज कोयंबटूर,आदर्श यूपी समाज, सिंधी फॉर्म कोयंबटूर, सिंधी कौंसिल ऑफ इंडिया, श्री बाबा रामदेव संघ, कोयंबटूर वेल्फेयर एसोएशन,भारत कला संगमम,गुरुद्वारा सिंघ सभा, जाट समाज कोयम्बटूर सहित 15 से अधिक समाजसेवी संघ स्वयंसेवी सेवा के लिए जुड़े है।

संस्थान के संरक्षक एवं समाज सेवी कमल किशोर अग्रवाल ने बताया कि शिविर के उद्घाटन और भव्यता के लिए कोयंबटूर के समाजसेवियों, प्रशानिक अधिकारियों सहित सैकड़ो दानीजनों को आमंत्रित किया गया है। शिविर में आने वाले दिव्यांगों के लिए संस्थान की ओर से निःशुल्क भोजन की व्यवस्था रहेगी। वार्ता के दौरान प्रवक्ता गौड़, सचिव मुंदडा,संरक्षक अग्रवाल, बेंगलूरु आश्रम प्रभारी खूबी लाल मेनारिया और केम्प प्रभारी हरिप्रसाद लड्ढा ने फ़िटमेंट केम्प का पोस्टर जारी किया।

'गुरु से जीवन में विनय व विवेक आता है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के विजयनगर स्थानक भवन में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री सुधाकंवरजी म. सा. ने आयामों के विवेचन के तहत धर्म और गुरु के बारे मे बताया कि,धर्म वो जिसके धारण करने से जीवन का कल्याण हो। धर्म बाहरी क्रियाओं से नहीं, बल्कि अन्तर्मन से किया जाना चाहिए। धर्म से हर परिस्थिति चाहे अनुकूल हो या प्रतिकूल, समभाव में रहा जा सकता है, धर्म में गुरु का बहुत महत्व होता है, जो हमें अंधकार से निकाल कर प्रकाश पुंज की ओर अग्रसित करे, वो गुरु है। गुरु के बिना जीवन शुरु नहीं हो सकता है, गुरु हमारे जीवन के सफल कलाकार होते हैं, गुरु कंकर से शंकर बना देते हैं, गुरु से जीवन मे विनय व विवेक आता है, जैसे बिज़ली अर्थ और न्यूट्रल दो फेज के बिना बिजली चल नहीं सकती हैं वैसे ही विनय व विवेक के बिना जीवन भी प्रकाश मान नहीं हो सकता है।

साध्वी विजयप्रभाजी ने कहा कि इस संसार में अनेक व्यक्ति जन्म लेते हैं और अनेक व्यक्ति मृत्यु को प्राप्त हो जाते हैं। लेकिन सबका जन्म ना ही तो सृष्टि के लिए हर्ष का विषय होता है और ना ही सब की मृत्यु इस सृष्टि के लिए शोक का कारण होती है। लेकिन इस जन्म मरण की परंपरा में कई महापुरुष ऐसे इस धरती पर अवतरित होते हैं,

वैदिक प्रतिभा सम्मेलन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में ओम चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित वैदों और शास्त्रों का अध्ययन करने वाले अखिल भारतीय छात्रों का 16वां वार्षिक वैदिक प्रतिभा सम्मेलन सफलता पूर्वक गत दिनों आयोजित किया गया।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Aditya at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.